समग्र चेतना

लखनऊ से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष : 03 अंक 12

लखनऊ, मंगलवार, 22 मार्च 2022 पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

हिजाब विवाद पर फैसला सुनाने वाले तीनों जजों को सरकार देगी वाई श्रेणी की सुरक्षा

मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि कक्षाओं में हिजाब पहनने के राज्य के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों को वाई–श्रेणी का सुरक्षा कवर मिलेगा।

मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि कक्षाओं में हिजाब पहनने के राज्य के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों को वाई-श्रेणी का सुरक्षा कवर मिलेगा। न्यायाधीशों को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा, हमने हिजाब पर फैसला देने वाले तीनों जजों को श्वाईश् श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। मैंने अधिकारियों को शिकायत की गहनता से जांच करने का निर्देश दिया है, जिसमें कुछ लोगों ने जजों को जान से मारने की धमकी दी थी। उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि इस्लाम में हिजाब पहनना आवश्यक नहीं है। राज्य के आदेश के अनुरूप है जो कक्षाओं में हेडस्कार्फ पहनने पर प्रतिबंध लगाता है। आदेश के तुरंत बाद, मुख्यमंत्री ने शांति की अपील करते हुए कहा, माननीय तीन-बेंच उच्च न्यायालय ने अपना फैसला दिया है ... सरकार द्वारा वर्दी आदेश को बरकरार रखा गया है ।

हिजाब है धर्म के आवश्यक धार्मिक

अभ्यास का हिस्सा नहीं है। इसलिए, मैं समाज में हर किसी से, माता-पिता, शिक्षकों, छात्रों और शिक्षा के बारे में चिंतित लोगों से अनुरोध करता हूं।

दोबारा मणिपुर की कमान संभालेंगे एन बीरेन सिंह, बीजेपी विधायक दल की बैठक में लिया गया मुख्यमंत्री बनाने का फैसला

बीजेपी ने एन बीरेन सिंह को दूसरी बार मणिपुर का मुख्यमंत्री बनाया गया है। इंफाल में मणिपुर भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से सीएम पद के लिए चुना गया। मणिपुर में भाजपा की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी के 10 दिन बाद यह फैसला आया है।

बीजेपी ने एन बीरेन सिंह को दूसरी बार मणिपुर का मुख्यमंत्री बनाया गया है। इंफाल में मणिपुर भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से सीएम पद के लिए चुना गया। मणिपुर में भाजपा की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी के 10 दिन बाद यह फैसला आया है। राज्य में हाल के विधानसभा चुनावों में 60 सदस्यीय सदन में 32 सीटें जीतकर भाजपा ने बहुमत हासिल किया था। एन बीरेन सिंह ने हिंगांग विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। इस बार भाजपा ने मणिपुर विधानसभा चुनाव अकेले लड़ा और बहुमत हासिल करने में कामयाब रही कि पार्टी को एक वोट उग्रवाद प्रभावित राज्य में शांति लाएगा।

मणिपुर के मुख्यमंत्री होंगे एन बीरेन सिंह

पूर्वोत्तर राज्य का अगला मुख्यमंत्री किसे नियुक्त किया जाएगा, इस पर गहन अटकलें लगाई जा रही थीं। एन बीरेन सिंह जहां इस पद के लिए एक शीर्ष दावेदार थे, वहीं दो बार के विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री थ बिश्वजीत सिंह भी दौड़ में थे। विशेष रूप से एन बीरेन सिंह और टीएच विश्वजीत सिंह दोनों भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक के लिए दिल्ली में थे। मणिपुर के मुख्यमंत्री के रूप में एन बीरेन सिंह के दूसरे कार्यकाल का स्वागत करते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, ष्यह सभी द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया एक अच्छा निर्णय है। यह सुनिश्चित करेगा कि मणिपुर में एक

स्थिर और जिम्मेदार सरकार हो जो आगे निर्माण करेगी क्योंकि केंद्र आज केंद्र के तहत है पीएम मोदी का नेतृत्व पूर्वोत्तर राज्यों पर विशेष ध्यान देता है।ष् सीतारमण, केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू के साथ, राज्य में नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों के साथ एक बैठक में भाग लेने के लिए रविवार को इंफाल में थीं।

कौन हैं एन बीरेन सिंह?

एक पूर्व फुटबॉलर और पत्रकार, एन बीरेन सिंह ने 2002 में राजनीति में कदम रखा जब वे डेमोक्रेटिक रिवोल्यूशनरी पीपल्स पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने जल्द ही चुनावों में जीत का स्वाद चखा जब उन्होंने हिंगांग विधानसभा सीट जीती। उन्होंने 2007 के चुनावों में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ते हुए सीट बरकरार रखी। बाद में उन्हें मणिपुर सरकार में सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण और युवा मामले और खेल मंत्री नियुक्त किया गया। अक्टूबर 2016 में उन्होंने मणिपुर के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह के खिलाफ विद्रोह किया

बीजेपी नेता कृष्णकुमार की बेटियों ने अबू धाबी मस्जिद में हिजाब पहनकर कराया फोटोशूट, तस्वीरें वायरल

भाजपा नेता और अभिनेता कृष्णकुमार ने हाल ही में अपनी दो बेटियों के साथ अबू धाबी में शेख जायद ग्रैंड मस्जिद का दौरा किया। उन्होंने वहां से सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं जो इस समय सोशल मीडिया पर सुर्खियों का कारण बनीं हुई हैं। तस्वीरों पर चर्चा इसलिए हो रही हैं क्योंकि अभिनेता कृष्णकुमार की दो बेटियों ने हिजाब पहना हुआ हैं। वह तस्वीर में मुस्कुरा रही हैं और गर्व महसूस कर रही हैं, कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। और तस्वीरों को महत्वपूर्ण बनाने के लिए कृष्णकुमार के फेसबुक पेज पर इन तस्वीरों को खुशी-खुशी पोस्ट कर दिया। यह तस्वीरें उस समय पोस्ट की गयी हैं जब हिजाब को लेकर भारत में विवाद चल रहा हैं और कोर्ट ने हिजाब को गैर धार्मिक बताया हैं। सरकार ने स्कूल-कॉलेज में हिजाब पहनकर आने पर प्रतिबंध लगाया गया था जिसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ ली और विवाद खड़ा हो गया।

5 राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन के आखिरी दिन आप ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की

चंडीगढ़। पंजाब से खाली हुई पांच राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन का कल आखिरी दिन है लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। पंजाब विधानसभा चुनाव में ।च् ने 117 में से 92 सीटें जीती हैं. जिससे राज्यसभा की सभी 5 सीटों पर उनके उम्मीदवारों की जीत तय है । वहीं अब विपक्ष के निशाने पर आम आदमी पार्टी है। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) के मुख्य प्रवक्ता प्रीतपाल सिंह बालीवाल ने इस पर सवाल उठाया। पंजाब से हरभजन और राघव चड्ढा के नामों पर फिलहाल राज्यसभा के लिए चर्चा चल रही है लेकिन आम आदमी पार्टी द्वारा औपचारिक रूप से इसकी घोषणा या पुष्टि नहीं की गई है।

अतिरिक्त या अधिक व्यय के वास्ते एक बजट उपलब्ध करायेगा

पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने 25,000 सरकारी पदों पर भर्ती की घोषणा की

मान ने अपने मंत्रिमंडल की पहली बैठक की अध्यक्षता करने के बाद एक वीडियो संदेश में इस निर्णय की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन नौकरियों के लिए विज्ञापन और अधिसूचना की प्रक्रिया एक महीने के भीतर शुरू कर दी जाएगी।

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में किये गए पहले निर्णय के तहत पुलिस विभाग में 10,000 सहित राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में 25,000 रिक्तियों को भरने को मंजूरी दे दी। मान ने अपने मंत्रिमंडल की पहली बैठक की अध्यक्षता करने के बाद एक वीडियो संदेश में इस निर्णय की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन नौकरियों के लिए विज्ञापन और अधिसूचना की प्रक्रिया एक महीने के भीतर शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''आने वाले दिनों में, हम अपनी बाकी गारंटी (चुनावी वादों) को भी पूरा करेंगे।'' मान ने कहा कि पंजाब पुलिस विभाग में 10,000 पद भरे जाएंगे और बाकी नौकरियां अलग-अलग विभागों, बोर्ड और निगमों में होंगी। उन्होंने कहा कि योग्यता के आधार पर नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा, ''कोई भेदभाव नहीं होगा, कोई 'सिफारिश' या कोई रिश्वत नहीं होगी।'' आम आदमी पार्टी (आप) ने हाल में संपन्न राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान बेरोजगारी का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। इससे पहले, शनिवार को भगवंत मान के नेतृत्व वाले पंजाब मंत्रिमंडल में एक महिला सदस्य सहित आप के 10 विधायकों को शामिल किया गया। राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने यहां पंजाब राजभवन में गुरु नानकदेव सभागार में एक समारोह में 10 मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल ने विधानसभा के आगामी सत्र में वर्ष 2021-22 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों को प्रस्तुत करने को भी मंजूरी दी।

भाजपा के संरक्षण में अपराधियों ने बिना खौफअपनी अवांछनीय गतिविधियां शुरू कर दी: अखिलेश यादव

लखनऊ,। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के संरक्षण में अपराधियों ने बिना खौफअपनी अवांछनीय गतिविधियां

शुरू कर दी है। प्रशासनतंत्र भी उन पर हाथ डालने से हिचकता है। भाजपा राज में पहले भी भय और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। अब तो दुबारा सत्ता में आने से असामाजिक तत्वों को अहंकारी नेतृत्व का भी साथ मिल गया है। भाजपा सरकार की वापसी पर दुद्धी सोनभद्र में होली पर बुलडोजर पर हुड़दंगियों ने बारात निकाली। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। राज्य में दोबारा छल-बल से आई भाजपा सरकार से जनता की उम्मीदों पर पानी फिरा है और चारों ओर निराशा का कोहराम है। अभी तो शपथ भी नहीं हुई। आम आदमी का जीना मुश्किल हो गया है। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद में होली के दिन घर में घुस कर साहिबाबाद थाना क्षेत्र में 11वीं की छात्रा से गैंगरेप की विचलित करने वाली घटना प्रकाश में आई है। छात्रा जब थाने में शिकायत दर्ज कराने गई तो उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। यही नहीं, उसके साथ अभद्रता भी की गई। भाजपा के झूठे वादों से परेशान होकर बुन्देलखण्ड के किसान और युवा आत्महत्या को मजबूर हैं। 71 दिनों में 76 लोगों ने खुदकुशी की है। न युवाओं को रोजगार, न ही किसानों को उनकी उपज का दाम मिलने की उम्मीद है। खुदकुशी करने वालों में छात्र, नौजवान, बेरोजगार, किसान, महिलाएं तथा अन्य कई वर्गों के लोग है। किसान एवं नौजवान की तो बद से बद्तर स्थिति है। पीड़ित परिवारों की मदद भी नहीं की जा रही है। भाजपा सरकार पूर्णतया असंवेदनशील है। आगरा के पत्रकार गौरव अग्रवाल की निष्पक्ष पत्रकारिता और जनहित में उठाई गई आवाज को भाजपा सरकार शारीरिक प्रताड़ना से दबाना चाहती है, यह निंदनीय है। पत्रकारों का उत्पीड़न कर लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। पत्रकारों को न्याय मिलना चाहिए। लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को लगातार कमजोर किया जा रहा है। उसे 'थोथे स्तम्भ' में बदलने की साजिश है। आगरा में सत्ता संरक्षित माफिया डान की धमकी के बाद राजस्थान पलायन को मजबूर डाक्टर परिवार को सुरक्षा एवं न्याय मिलना चाहिए। पीड़िता ने स्वयं वीडियों जारी कर बयांन किया कि वह कैसे लगातार ब्लैकमेलिंग, एक्सटोर्शन और हमलों की शिकार है। पीड़ित परिवार ने पूर्ण सुरक्षा मुहैया कराये जाने के साथ दोषियों को कठोर से कठोर सजा दिलाये जाने की मांग की है। भाजपा शासन में पुलिस की अवैध वसूली ने गरीब की जान ले ली। लखीमपुरखीरी में पुलिस के द्वारा अवैध वसूली से परेशान होकर गौरीफंटा कोतवाली में आत्मदाह करने वाले टैक्सी चालक शुभम गुप्ता की उपचार के दौरान मृत्यु अत्यंत दु:खद है। पीड़ित परिवार को न्याय दिया जाए तथा दोषी पुलिस कर्मियों की बर्खास्तगी होनी चाहिए।

सीएमएस शिक्षिका राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण मित्र पुरस्कार' से सम्मानित

लखनऊ,। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस की शिक्षिका डा. शिक्षा त्रिपाठी को राष्ट्रीय स्तर पर 'पर्यावरण मित्र पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। डा. शिक्षा त्रिपाठी को यह पुरस्कार सेन्टर फॉर इन्वार्यनमेन्ट (सी.ई.ई.) के तत्वावधान में प्रदान किया गया। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. शिक्षिका डा. शिक्षा त्रिपाठी को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किये जाने पर सी.एम.एस. परिवार अत्यन्त गौरवान्वित है। पर्यावरण मित्र पुरस्कार छात्रों एवं युवा पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने हेतु प्रदान किया जाता है। डा. त्रिपाठी छात्रों को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित करने में सतत प्रयासरत हैं। आपके प्रयासों से सी.एम.एस.

कानपुर रोड कैम्पस के छात्रों ने 'सस्टेनबिलिटी एवं बायोडायवर्सिटी' पर उल्लेखनीय कार्य किया है एवं इसके माध्यम से समाज के नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित करते हुए में 'रिड्यूज, रियूज एवं रीसाईकिल' की अवधारणा से अवगत कराया है। श्री शर्मा ने बताया कि सामाजिक जागरूकता के प्रयासों में सी.एम.एस. सदैव ही अग्रणी रहा है। सी.एम.एस. का मानना है कि जल, ऊर्जा व पर्यावरण जैसे विषयों पर लोगों के विचारों एवं जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन बहुत जरूरी है। सी.एम.एस. शिक्षकों के इन्ही प्रयासों का प्रतिफल है कि सी.एम.एस. छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक जागरूकता के अभियानों एवं प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है।

भाजपा ने विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव के लिए 30 प्रत्याशियों की सूची जारी की

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव के लिए शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जिन 30 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, उनमें से तमाम ऐसे नेता हैं जो प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी छोड़कर पार्टी में शामिल हुए थे। राज्य विधानसभा में प्रचंड जीत हासिल करने के बाद, भाजपा राज्य विधान परिषद की 36 सीटों पर भी जीत हासिल करना चाहती है। विधानपरिषद के द्विवार्षिक चुनाव नौ अप्रैल को होने हैं। उप्र के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि उच्च सदन की 36 सीटें 35 स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों में फैली हुई है, जहां नौ अप्रैल को एक साथ मतदान होगा और 12 अप्रैल को मतगणना होगी। कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह (रायबरेली स्थानीय प्राधिकरण), पूर्व बसपा नेता रामचंद्र प्रधान (लखनऊ-उन्नाव स्थानीय प्राधिकरण) और उप्र भाजपा महासचिव अनूप गुप्ता (खीरी स्थानीय प्राधिकरण)। सपा से भाजपा में शामिल हुए नेता, जिन्हें टिकट दिया गया है, वे हैं --- सीपी चंद (गोरखपुर-महाराजगंज स्थानीय प्राधिकरण से), रविशंकर सिंह पप्पू (बलिया स्थानीय प्राधिकरण से), राम निरंजन (झांसी-जालौन-ललितपुर स्थानीय प्राधिकरण से) और नरेंद्र भाटी (बुलंदशहर स्थानीय प्राधिकरण से)। विधानसभा चुनाव से पहले, कई सपा विधानपरिषद सदस्य (एमएलसी)- नरेंद्र सिंह भाटी, शतरूद प्रकाश, राम निरंजन, रविशंकर सिंह पप्पू, सीपी चंद, घनश्याम लोधी, शैलेंद्र प्रताप सिंह और रमेश मिश्रा भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने इलाहाबाद स्थानीय निकाय से के. पी. श्रीवास्तव को भी अपना उम्मीदवार बनाया है। उत्तर प्रदेश की 100 सदस्यीय विधान परिषद में वर्तमान में भाजपा के 35 सदस्य, सपा के 17 और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के चार सदस्य हैं। विधान परिषद में कांग्रेस, अपना दल (सोनेलाल) और निषाद पार्टी के एक-एक सदस्य हैं। फ्लिहाल 37 सीटें खाली हैं। परिषद में विपक्ष के नेता अहमद हसन का पिछले दिनों लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सपा के कई विधान पार्षद भाजपा में शामिल हो गए थे जिनमें नरेंद्र सिंह भाटी, शतरुद्र प्रकाश, रमा निरंजन, रविशंकर सिंह पप्पू, सीपी चंद्र, घनश्याम लोधी, शैलेंद्र प्रताप सिंह और रमेश मिश्रा प्रमुख हैं। बसपा के विधान पार्षद सुरेश कश्यप भी भाजपा में शामिल हो गए। आयोग ने 28 जनवरी को घोषणा की थी कि द्विवार्षिक विधान परिषद चुनाव तीन और सात मार्च को दो चरणों में होंगे। मतगणना 12 मार्च को होनी थी। लेकिन अब दोनों चरणों में नौ अप्रैल को मतदान होगा और 12 अप्रैल को मतगणना होगी। सदस्यों का कार्यकाल सात मार्च को समाप्त हो गया। उल्लेखनीय है कि मथुरा-एटा-मैनपुरी स्थानीय प्राधिकरण के निर्वाचन क्षेत्र में दो सीटें हैं, जिसके लिए अलग-अलग चुनाव होंगे। हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने 255 सीटें जीती हैं, जबकि उसके सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) और निषाद पार्टी ने क्रमश:12 और 6 सीटें जीती हैं। विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 111 सीटें जीती हैं, जबकि उसकी सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल ने 8 सीटें और एक अन्य सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने छह सीटों पर जीत हासिल की है। कांग्रेस ने दो सीटें जीती हैं, जबकि बसपा ने एक सीट जीती है।विधान परिषद चुनावों पर उत्तर प्रदेश भाजपा के महामंत्री जेपीएस राठौर ने बताया, ''इस चुनाव में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत के सदस्य और प्रखंड प्रमुख, जिला पंचायत के सदस्य और अध्यक्ष, नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद और नगर निगमों के पार्षद तथा अध्यक्ष मतदाता होंगे और इनके अलावा विधायक और सांसद भी अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे।

नक्खास चिड़िया बाजार में वन विभाग छापा, प्रतिबंधित प्रजाति के 224 पक्षी बरामद

लखनऊ,। वन विभाग की टीम ने एसटीएफ की मदद से रविवार को नक्खास चिड़िया बाजार में छापा मारकर 224 प्रतिबंधित प्रजाति के पक्षियों को बरामद किया। टीम ने दो पेशेवर वन्यजीव अपराधियों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। जिला वन अधिकारी डा. रवि कुमार ने बताया कि वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो से सूचना मिली की कुछ पेशेवर वन्यजीव अपराधी प्रतिबंधित पक्षियों को खरीद-फरोख्त के लिए नक्खास चिड़िया बाजार लाये हैं। इस पर एसटीएफ के सहयोग से क्षेत्रीय वन अधिकारी के साथ टीम बनाकर छापा मारा गया। टीम ने चिड़िया बाजार की एक दुकान से चार पिंजड़ों में 52 देशी तोते के बच्चे, 117 देशी तोते, 37 पहाड़ी तोते के बच्चे व 18 मुनिया पक्षियों को

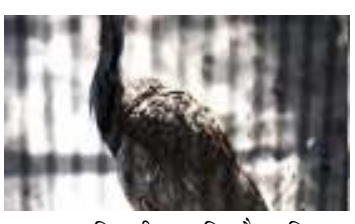

बरामद किया। साथ ही मौके पर घंटा बेग गड़हिया लखनऊ निवासी राजपति और लुधियाना पंजाब के शाहनवाज खान उर्फ शानू को गिरफ्तार किया। अपराधियों ने बताया कि वे जंगलों से इन पक्षियों को पकड़ते हैं। कुछ स्थानीय चिड़ीमारों से भी ये पक्षी खरीदकर ऊंचे दामों पर बेचते हैं। छापामार टीम में क्षेत्रीय वन अधिकारी शहरी आरिफ जमाल खां, विनीत प्रकाश श्रीवास्तव, वन दरोगा अंकित शुक्ला और राजेश कुमार शामिल थे।

डीजे की धुन पर जवानों के साथ जमकर नाचे कप्तान साहेब, सोशल साइटड पर धूम मचा रहा विडियो

लखनऊ,। यूपी के कई जिलों में पुलिस लाइन के साथ ही शहर और देहात के थानों में पुलिसकर्मीयों ने एक दूसरे के रंग और गुलाल लगाकर होली के पर्व पर बधाई दी, इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने होली की शुभकामनाएं दीं. होली के इस उत्सव में पुलिस के आला अधिकारी भी शामिल हुए और ढोल की थाप पर जमकर नाचे.गोण्डा जनपद में होली के अवसर पर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने भी पुलिस जवानों के साथ जमकर रंग और गुलाल से होली खेली. पुलिस अधीक्षक कैम्प कार्यालय में आयोजित होली मिलन समारोह में पुलिस अधीक्षक की अगुवाई में जमकर रंग गुलाल लगाया गया. सभी पुलिसकर्मियों ने एक दूसरे को रंग में सराबोर कर दिया, खुशनमा माहौल के बीच एक दूसरे को गले लग कर बधाई देने का सिलसिला

शुरु हुआ और डीजे की धुन पर थिरकने लगे. पुलिस कर्मी हरे रंग और पानी से एक दूसरे को सराबोर करने में लगे रहे तो वंही पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने जवानों के साथ डीजे की धुन पर जमकर डांस किया जिसका विडियो सोशल साइट्स पर जमकर वायरल हो रहा है लोग यंग एसपी के डांस की जमकर प्रसंसा कर रहे हैं।

मलिकजादा मंजूर अहमद उर्दू भाषा व साहित्य के सांस्कृतिक दूत थे: अतहर नबी

लखनऊ,। प्रोफेसर मलिकजादा मंजूर अहमद उर्दू भाषा व साहित्य के सांस्कृतिक दूत थे जिन्होंने दुनिया के कोने कोने में उर्दू भाषा व संस्कृति को पहुंचाया। वह एक महान कवि व लेखक तो थे ही साथ ही उन्होंने उर्दू के संरक्षण व तरक्की के लिए भी अभूतपूर्व योगदान दिया। उन्होंने उर्दू को लोगों के दिलों में न सिर्फजगह दिलाई बल्कि उसे लोकप्रिय भी बनाया। उनके ना रहने से उर्दू जगत को जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई आसान नहीं है। यह विचार हिंदी उर्दू साहित्य अवार्ड कमेटी जनरल सेक्रेटरी व मुमताज और इस्लामिया डिग्री कॉलेज के प्रबंधक अतहर नबी एडवोकेट ने सिदरा एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी और उत्तर प्रदेश उर्दू एकेडमी के सहयोग से आयोजित एक सेमिनार जिसका विषय ''मलिकजादा मंजूर अहमद व्यक्तित्व एवं कृतित्व' में अपने संबोधन में प्रकट किए। मुख्य अतिथि डॉ० एहतेशाम अहमद खान ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि मलिकजादा मंजूर अहमद मेरे गुरू व संरक्षक थे। उन्होंने कहा कि मलिकजादा मंजूर अहमद न केवल एक अच्छे कवि, लेखक, आलोचक व संचालक थे बल्कि उन्होंने एक शिक्षक की हैसियत से पूरे विश्व में लोकप्रियता हासिल की। विशिष्ट अतिथि विश्व विख्यात कवि मलिकजादा जावेद ने कहा कि कि मेरे पिता का देहांत न केवल मुझे सदमा हुआ बल्कि उर्दू जगत से जुड़े हर व्यक्ति ने उनके देहांत से एक बड़ी हानि और दुख को महसूस किया है। मेरे पिता मलिकजादा मंजूर अहमद अपने आप में न केवल एक शिक्षा का केंद्र थे बल्कि एक पूरा संस्थान थे। उनके अन्दर जरा सा भी घमंड आदि नहीं था। प्रोग्राम के कन्वीनर व सिदरा एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के जनरल सेक्रेटरी मोहम्मद जियाउल्ला सिद्दीकी ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि मलिकजादा मंजूर अहमद की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उर्दू अदब के लोग जितना उनको याद करते हैं उतना शायद ही किसी को याद करते हो। इस प्रकार के प्रोग्रामों में लोग अक्सर उन्हें याद करके उनके प्रति अपना प्रेम प्रकट करते हैं। प्रोग्राम की विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आसिफा जमानी और मोहसिन खान ने संयुक्त रुप से कहा कि हमारे लिए मलिकजादा मंजूर अहमद का स्थान इसलिए भी बहुत ऊंचा है क्योंकि उन्होंने मुशायरा में जज्बाती और हंगामी शायरी के स्थान पर व्यक्तिगत भाषा शैली को स्थान दिया। मलिकजादा मंजूर अहमद के देहांत से उर्दू साहित्य और अजब को अपूर्णीय क्षति पहुंची है। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में अपने विशेष योगदान के लिए विभिन्न लोगों को सिदरा एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से अवार्ड देकर सम्मानित भी किया गया। नागरिक अधिकार परिषद के अध्यक्ष रफी अहमद को भ्रष्टाचार के खिलाफउनके संघर्ष अन्य सामाजिक कार्यों के लिए अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। स्वास्थ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रोफेसर इरशाद अहमद खान बयारवी को स्वास्थ सेवा अवार्ड दिया गया। उर्दू भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में अपने विशेष योगदान के लिए डा. मसीहुद्दीन खान मसीह को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में अपने विशेष योगदान के लिए परवेज मलिकजादा को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने विशेष योगदान के लिए परवेज आलम और हिमायू चौधरी को पत्रकारिता सेवा अवार्ड दिया गया। कार्यक्रम का सुंदर चित्रण व संचालन सीमा सिद्दीकी ने किया। लोगों को धन्यवाद देते हुए परवेज मलिकजादा ने कहा कि मेरे पिता ने शायरी के नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और उसे नई पहचान दिलाई। प्रोग्राम में मुख्य रूप से डॉ सईद अहमद संदेलवी, डॉक्टर मसीहुद्दीन खान मसीह, डॉ यासिर जमाल, डॉक्टर खुर्शीद जहां, डॉक्टर शुजाउल हक नदवी, प्रोफेसर इरशाद अहमद खान बयारवी, मौलाना अब्दुल करीम नदवी, मोहम्मद राशिद खान, निसार अहमद नदवी, तबस्सुम फारुखी, जियाउल्लाह सिद्दीकी, रफी अहमद, हाजी फहीम सिद्दीकी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मेथीदाने के 7 लाजवाब फायदे, दिल और डायबिटीज वालों के लिए वरदान

भारतीय रसोई में पाई जाने वाली हर एक चीज के अपने ही फायदे होते हैं। जैसे की भारतीय मसाले। भारतीय मसालों के बिना तो रसोई का काम ही अधूरा है। स्वाद के साथ-साथ यह बहुत सारे सेहत और सौंदर्य से जुड़े फायदे भी देते हैं जिनके बारे में बहुत से लोगों को ज्ञान ही नहीं होता। जैसे की मेथीदाने के बारे में। आपने मेथी की सब्जी, साग और चटनी तो खाई होगी । इससे बने मेथी के लड्डू गर्भवती महिलाओं को खाने के लिए दिए जाते हैं। मेथी के तेल से डायबिटीज और गठिए को बनने से रोकने में मिलती है लेकिन आपको बता दें कि मेथी के बीज यानि छोटे-छोटे दाने भी बहुत फायदेमंद होते हैं चलिए आज उन्हीं के बारे में आपको बताते हैं।

सेहत के लिए वरदान है मेथीदाना

सबसे पहले बता दें कि आपको मेथीदाने को पानी में भिगोकर रखना है और फिर इसके पानी का आपको सेवन करना है अगर आप कुछ दाने साथ में चबा भी ले तो अच्छा है।

पेट संबंधी समस्या रहती है

अगर आपको कब्ज, गैस, पेट फूलने, भूख ना लगने, भोजन ना पचने की समस्या रहती हैं तो आप मेथी दाने का 1 चम्मच चूर्ण खाला पेट गुनगुने पानी के साथ ले सकते हैं। नहीं तो मेथी के दानों को पानी में रात भर भिगो दें और फिर अगली सुबह चबा-चबाकर इसे पानी के साथ ही खा लें।

पीरियड्स खुलकर नहीं आते

शरीर में खुन की कमी होने के कारण खुलकर पीरियड्स नहीं आते हैं। मेथी दानों में एस्ट्रोजन के गुण होते हैं। जो कि मासिक धर्म से जुड़ी समस्या के लिए फायदेमंद होता है। मासिक धर्म से जुड़ी समस्याओं के लिए आप 1-2 ग्राम मेथी के दानों का सेवन कर सकते हैं। मेथी के सेवन से दर्द कम होता है। आप चाहें तो मेथी दानों की चाय बनाकर भी पी सकती हैं।

कान बहने की समस्या

अगर आपका कान बहता है तो भी मेथी आपके लिए बहुत ही सही साबित हो सकती है। मेथी के दानों को दूध में पीस लें और छानकर गुनगुने पानी में तैयार कर लें। 1-2 बूंद इसका रस कानों में डालें। कान बहने की समस्या से राहत मिलेगी।

ब्लड शुगर कंट्रोल करने के लिए

डायबीटिज से जूझ रहे लोगों के लिए भी मेथी दाना बहुत ही फायदेमंद होता है। एक चम्मच मेथी दाने का चूर्ण तैयार कर लें। इसे रोज खाली पेट गुनगुने पानी के साथ पिएं । मेथी दानों को पानी में भिगोकर सुबह चबाकर खाएं। साथ ही जिस पानी में मेथी दाने को भिगोया था । आप उसका भी सेवन कर सकते हैं।

त्वचा रोगों के लिए

खाज खुजली होने पर मेथी के दानों को पीसकर उसका लेप बनाकर खुजली वाली जगह पर लगाएं। इससे घाव में आराम मिलेगा। इसके अलावा सूजन होने पर आप मेथी के पत्तों को पीसकर सूजन वाली जगह पर लगा सकती हैं। सूजन में भी काफी राहत मिलेगी।

प्रसव के बाद भी इस्तेमाल कर सकते हैं मेथी

डिलीवरी होने के बाद महिलाएं के लिए मेथी का सेवन बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। मेथी के सेवन से मां के दूध की गुणवत्ता बढ़ती है। साथ ही शिशु का स्वास्थ्य भी बिल्कुल ठीक रहता है। महिलाएं मेथी का सूप, साग या सब्जी भी खा सकती हैं।

हृदय रोगों के लिए

मेथी में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो हृदय संबंधी रोगों के लिए बहुत ही लाभकारी होते हैं। मेथी के 10-15 मिली काढ़े में शहद मिलाकर पीने से हृदय रोगों से निजात मिलती है। कोलेस्ट्रोल कम करने के लिए रोज मेथी दाने के चुरन को डाइट में शामिल करें। इससे कोलेस्ट्रोल की मात्रा सही रहेगी।

बालों को झड़ने से रोकें

मेथी को बालों में लगाने से बालों का झड़ना भी कम होता है। मेथी दानों को 1-2 चम्मच रात को भिगो कर रख दें। सुबह उठकर इसको बालों की झड़ों में लगाएं।10 मिनट के लिए बालों में रहने दें और फिर बाल सिंपल पानी से धो लें। हफ्ते मे दो से 3 बार बालों में लगाएं । बालों के झड़ने की समस्या कम हो जाएगी ।

क्या आपका बच्चा भी करता है कान में खुजली

छोटे बच्चे को संभालना बेहद मुश्किल होता है। वहीं नए पेरेंट्स बने लोगों के लिए तो यह किसी चुनौती से कम नहीं होता है। ऐसे में वे बच्चे के रोने से लेकर सोने तक हर छोटी-छोटी हरकत पर खास ध्यान देते हैं। मगर क्या आपने कभी बच्चे को कान खुजलाने देखा या इसकी वजह सोची हैं? जी हां, अक्सर छोटे बच्चे भी कान में उंगली डालकर खुजली करने की कोशिश करते हैं। वैसे तो शिशु को कान में खुजली होना एक आम बात हैं। मगर

उसका बार-बार कान खींचना या उंगली डालना संक्रमण की चपेट में आने की ओर इशारा करता है। ऐसे में इसे नजरअंदाज करने की जगह तुरंत डॉक्टर की सलाह लेने में ही भलाई है। चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में शिशु का कान में खुजली करने के कारण व इससे बचने के उपाय बताते हैं...

चलिए जानते हैं बच्चों के कान में खुजली होने के कारण

कान के आसपास रैशेज होना

शिशु की स्किन ड्राई होने से उसके कान के आसपास रैशेज होने का खतरा रहता है। ऐसे में हो सकता हैं कि वह इस कारण बार-बार कान में उंगली डाल रहा हो।

कान में इंफेक्शन होने की समस्या

कान में इंफेक्शन होने की समस्या में भी बच्चे को खुजली महसूस होती है। इसलिए वे बार-बार हाथ को कान के पास लेकर जाता हैं। इसके साथ ही इंफेक्शन की स्थिति पर शिशु में नाक बहना, अधिक रोना, बुखार जैसे लक्षण आदि दिखाएं देते हैं।

थकान के कारण नींद आना

अक्सर बच्चे की नींद पूरी ना होने पर उसे थकान महसूस होती है। इसके कारण भी वे कई बार कान में खुजली करते रहते हैं। ऐसे में अगर आपका बच्चा बार-बार कान में उंगली डाल रहा हैं तो समझ जाएं कि उसे थकावट हैं। ऐसे में उसे सुलाने की कोशिश करें। इसके साथ ही उसकी डेली रुटीन को समझें कि वह कम थकान महसूस कर रहा या उसे सोने की जरूरत है।

एक्जिमा भी एक कारण

आमतौर पर एक्जिमा के कारण भी शिशु को कान में खुजली की समस्या हो सकती है। ऐसे में अगर आपको बच्चे के कान के आसपास रेडनेस, सूजन, पस जैसे लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज किए बिना तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। नहीं तो एक्जिमा धीरे-धीरे बढ़ सकता है।

कान में पानी रह जाना

अक्सर नहलाते समय शिशु के कान में पानी भर जाता है। इसके कारण भी वह चिड़चिड़ापन महसूस करने के साथ कान में खुजली कर सकता है। ऐसे में आप उसे नहलाते समय उसके कान में कॉटन डाल दें। इसके साथ ही नहाने के बाद सूखे कपड़े से उसके कान के आसपास की सफाई जरूर करें।

कान में मैल जमा होना

शिशु के बार-बार कान में उंगली डालने की एक वजह मैल जमा होना भी हो सकता है। ऐसे में कॉटन स्वैब या किसी भी चीज से बच्चे के कान से मैल खुद निकालने की गलती ना करें।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभायी थी वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने

वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी का जन्म पिछड़े वर्ग के लोधी राजपूत समुदाय में 16 अगस्त 1831 को ग्राम मनकेहणी, जिला सिवनी के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां हुआ था। वीरांगना अवंतीबाई लोधी की शिक्षा दीक्षा मनकेहणी ग्राम में ही हुई।

आज भी भारत की पवित्र भूमि ऐसे वीर-वीरांगनाओं की कहानियों से भरी पड़ी है जिन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश के आजाद होने तक भिन्न-भिन्न रूप में अपना अहम योगदान दिया। लेकिन भारतीय इतिहासकारों ने हमेशा से उन्हें नजरअंदाज किया है। देश में सरकारों या प्रमुख सामाजिक संगठनों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए लोगों के जो कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं वो सिर्फ और सिर्फ कुछ प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के होते हैं। लेकिन बहुत से ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं जिनके अहम योगदान को न तो सरकारें याद करती हैं न ही समाज याद करता है। लेकिन उनका योगदान भी देश के अग्रणी श्रेणी में गिने जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से कम नहीं है। जितना योगदान स्वतंत्रता संग्राम में देश के अग्रणी श्रेणी में गिने जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का था, उतना ही उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का योगदान है जिनको हमेशा से इतिहासकारों ने अपनी कलम से वंचित और अछूत रखा है। भारत की पूर्वाग्रही लेखनी ने देश के बहुत से त्यागी, बलिदानियों, शहीदों और देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर-वीरांगनाओं को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की पुस्तकों में उचित सम्मानपूर्ण स्थान नहीं दिया है। परन्तु आज भी इन वीर-वीरांगनाओं की शोर्यपूर्ण गाथाएं भारत की पवित्र भूमि पर गूंजती हैं और उनका शोर्यपूर्ण जीवन प्रत्येक भारतीय के जीवन को मार्गदर्शित करता है। ऐसी ही 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की एक वीरांगना हैं रानी अवंतीबाई लोधी जिनके योगदान को हमेशा से इतिहासकारों ने कोई अहम स्थान न देकर

नाइंसाफी की है। आज देश में बहुत से लोग हैं जो इनके बारे में जानते भी नहीं है। लेकिन इनका योगदान भी 1857 के स्वाधीनता संग्राम की अग्रणी नेता वीरांगना झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई जी से कम नहीं हैं। लेकिन इतिहासकारों की पिछड़ा और दलित विरोधी मानसिकता ने हमेशा से इनके बलिदान और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को नजरअंदाज किया है। परन्तु वीरांगना अवंतीबाई लोधी आज भी लोककाव्यों की नायिका के रूप में हमें राष्ट्र के निर्माण, शौर्य, बलिदान व देशभक्ति की प्रेरणा प्रदान कर रही हैं। लेकिन हमारे देश की सरकारों ने चाहे केंद्र की जितनी सरकारे रही हैं या राज्यों की जितनी सरकारें रही हैं उनके द्वारा हमेशा से वीरांगना अवंतीबाई लोधी की उपेक्षा होती रही है। वीरांगना अवंतीबाई जितने सम्मान की हकदार थीं वास्तव में उनको उतना सम्मान नहीं मिला। वीरांगना अवंतीबाई लोधी का अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष एवं बलिदान से सम्बन्धित ऐतिहासिक जानकारी समकालीन सरकारी पत्राचार, कागजातों व जिला गजेटियरों में बिखरी पड़ी है। इन ऐतिहासिक समकालीन सरकारी पत्राचार, कागजातों व जिला गजेटियरों का संकलन और ऐतिहासिक विवेचन समय की माँग है। देश की केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार को इस ऐतिहासिक जानकारी और सामग्री का संकलन करना चाहिए और उसकी व्याख्या आज के इतिहासकारों से करानी चाहिए। वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी का जन्म पिछड़े वर्ग के लोधी राजपूत समुदाय में 16 अगस्त 1831 को ग्राम मनकेहणी, जिला सिवनी के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां हुआ था। वीरांगना अवंतीबाई लोधी की शिक्षा दीक्षा मनकेहणी ग्राम में ही हुई। अपने बचपन में ही इस कन्या ने तलवारबाजी और घुड़सवारी करना सीख लिया था।

शहनाज गिल के लेटेस्ट फोटोशूट पर फिदा हुए फैंस, एक्ट्रेस ने व्हाइट शर्ट-पर्पल ब्रॉड पैंट्स में दिए किलर पोज

बिग बॉस फेम शहनाज गिल आज किसी भी परिचय की मोहताज नहीं है। इस शो से बाहर आने के बाद शहनाज गिल ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं एक्ट्रेस ने अपनी वेट लॉस जर्नी से सभी को हैरान कर दिया। तब एक्ट्रेस के इस नए लुक को उनके चाहने वालों ने पसंद भी किया था। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी शहनाज गिल की काफी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। एक्ट्रेस अक्सर अपने फैशन सेंस से फैंस को ट्रीट देती नजर आती हैं। हाल ही में शहनाज गिल ने सेलिब्रिटी फोटोग्राफर डब्बू रतनानी संग फोटोशूट कराया। जिसकी कुछ झलकियां उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट की हैं। शहनाज गिल ने अपने आउटफिट से फैंस को अपना दीवाना बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। ऐसे में

डब्बू रतनानी और शहनाज दोनों ने ही इस फोटोशूट की कुछ तस्वीरें अपने-अपने इंस्टा हैंडल पर पोस्ट की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस व्हाइट प्लेन शर्ट, पर्पल हाई वेस्ट पैंट्स, जिसमें घुटनों से एंकल तक चौड़ी फ्रिल लगी हैं। बालों को बन में बांधा हुआ है। उन्होंने न्यूड मेकअप और हैवी जैकेट कैरी की हुई है। हालांकि, शहनाज ने जैकेट पहनी तो नहीं हुई है, लेकिन स्टाइलिंग के लिए उसे फोटोज के लिए कैरी किया हुआ है। इस पूरे आउटफिट के साथ ब्लैक हाई हील्स पहनी हुई हैं। फैंस को शहनाज गिल का यह आउटफिट और फोटोशूट दोनों ही काफी पसंद आ रहे हैं। एक्ट्रेस के चाहने वाले उनकी इन फोटोज पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, ओ माय गॉड, बेहद शानदार। क्यूट शहनाज गिल। आप इस पर्पल आउटफिट में बहुत खूबसूरत लग रही हैं...हमेशा की तरह। एक फैन ने लिखा, मेरी बेबी सबसे ज्यादा हॉट लग रही है। बता दें, आखिरी बार शहनाज गिल को बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के एक टॉक शो में देखा गया था। तब ये दोनों एक्ट्रेस पैपराजी के कैमरे में कैद हुई थीं। इसके अलावा हाल ही में शहनाज गिल का सच अ बोरिंग डे वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें वह यशराज मुखाटे संग एक्ट करती भी नजर आई।

मीरा राजपूत ने यूक्रेन के राष्ट्रपति का ऐसा किया बचाव, पोस्ट शेयर कर लगाई लताड़

शाहिद कपूर की वाइफमीरा राजपूत भले ही फिल्मी दुनिया से दूर हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया पर जमकर एक्टिव रहती हैं। मीरा सिर्फ अपनी तस्वीरें और वीडियोज ही पोस्ट नहीं करती बल्कि ट्रोल करने वालों को सबक सिखाना भी बहुत अच्छे तरीके से जानती हैं। दरअसल मीरा को जो बात सही लगती है वो इसके कहने से जरा भी हिचकतीं नहीं हैं। हाल ही में ऐसा ही कुछ देखने को मिला जब यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की को उनके कपड़ों की वजह से आलोचना की गई। दरअसल इन दिनों यूक्रेन, रूस के हमले से जूझ रहा है। ऐसे वक्त में यूक्रेन के राष्ट्रपति के कपड़ों को लेकर सवाल उठाए गए तो मीरा ने अपनी राय रखी। शाहिद कपूर की वाइफ ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें यूक्रेनियन राष्ट्रपति अपने ग्रीन टीशर्ट में हैं और वह अपनी बात कह रहे हैं। अमेरिका के आर्थिक सलाहकार पीटर चीफने राष्ट्रपति के कपड़ों को लेकर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि मुश्किल वक्त है वह समझ सकते हैं लेकिन क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति के पास अपना एक सूट नहीं है? मीरा ने पीटर के इस ट्वीट का स्क्रीनशॉट अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने राष्ट्रपति की फोटो भी लगाई। मीरा ने लिखा, अगर आपका बस चले तो आप उन्हें (शर्ट की बाहों को जोड़ने के लिए बटन की जगह इस्तेमाल किया जाता है।) पहनने को भी कह दें... सच में क्या हम लुक्स से इतना प्रभावित हो रहे हैं और क्या हम सच्चाई को भूलते जा रहे हैं? ऐसे भयानक हालात में भी स्टेट के हेड से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना सूट प्रेस करके पहनें। जानकारी के लिए बता दें, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने ग्रीन टीशर्ट पहनकर अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में यूएस कांग्रेस से अपील की थी। उन्होंने सांसदों को देश में हुई तबाही का वीडियो दिखाया था।

अक्षय कुमार की बच्चन पांडे ने बॉक्स ऑफिस पर दिखाया कमाल, पहले दिन कमाए 13 करोड

अक्षय कुमार की बच्चन पांडे ने पहले दिन 13 करोड़ रुपये कमाए है।फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला की प्रोडक्शन कंपनी नाडियाडवाला ग्रैंडसन के बैनर तले बनी 'बच्चन पांडे' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में अक्षय ने एक गैंगस्टर की भूमिका निभाई है।

मुंबई।अभिनेता अक्षय कुमार की एक्शन कॉमेडी फिल्म बच्चन पांडे ने रिलीज के पहले दिन 13.25 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म के निर्माताओं ने शनिवार को यह जानकारी दी। फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला की प्रोडक्शन कंपनी नाडियाडवाला ग्रैंडसन के बैनर तले बनी 'बच्चन पांडे' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में अक्षय ने एक गैंगस्टर की भूमिका निभाई है। नाडियाडवाला ग्रैंडसन के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट ने एक पोस्टर साझा किया, जिसमें बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के पहले दिन की कमाई का जिक्र था। पोस्टर के साथ लिखा गया, ''बॉक्स ऑफिस पर भौकाल। रिलीज के पहले दिन 13.25 करोड़ रुपये की कमाई।'' ''बच्चन पांडे का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा कृति सैनन, जैकलीन फर्नांडीज और अरशद वारसी भी अहम भूमिका में हैं।

मारियुपोल के और भीतरी क्षेत्र तक घुसे रूसी सैनिक, स्थानीय लोगों ने मदद मांगी

ल्वीव रूसी सेना से चारों ओर से घिरे और युद्ध से सबसे अधिक प्रभावित यूक्रेन के बंदरगाह शहर मारियुपोल में रूस के सैनिक और भीतरी क्षेत्र तक प्रवेश कर गए हैं। मारियुपोल में भीषण लड़ाई के कारण एक प्रमुख इस्पात संयंत्र को बंद कर दिया गया है और स्थानीय अधिकारियों ने पश्चिमी देशों से और अधिक मदद की गुहार लगाई है। मारियुपोल के पुलिस अधिकारी माइकल वर्शनिन ने पश्चिमी नेताओं को संबोधित एक वीडियो में आस पास सड़क पर मलबे बिखरे दृश्य को दिखाते हुए कहा, ''बच्चे, बुजुर्ग मर रहे हैं। शहर को नष्ट कर दिया गया है और धरती से इसका नामो निशान मिटा दिया गया है।'''द न्यूयॉर्क टाइम्स' से यूक्रेन के एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि पिछले दिनों दक्षिणी शहर मायकोलाइव में हुए एक रॉकेट हमले को लेकर जानकारी भी सामने आनी शुरू हो गई है, जिसमें 40 नौसैनिक मारे गए थे। रूसी सेनाओं ने पहले ही मारियुपोल का संपर्क अजोव सागर से काट दिया है। यूक्रेन के गृह मंत्री के

सलाहकार वादिम देनिसेंको ने कहा कि यूक्रेन और रूसी सेना ने मारियुपोल में अजोवस्टल लौह संयंत्र को लेकर लड़ाई लड़ी। देनिसेंको ने टेलीविजन पर कहा, ''यूरोप में सबसे बड़े धातुकर्म संयंत्रों में से एक वास्तव में नष्ट हो रहा है।'' मारियुपोल नगर परिषद ने इसके कुछ समय बाद दावा किया कि रूसी सैनिकों ने शहर के हजारों निवासियों ज्यादातर महिलाओं और बच्चों को रूस में जबरन स्थानांतरित कर दिया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि लोगों को कहां ले जाया गया और 'एपी' इस दावे की तुरंत पुष्टि नहीं कर सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्टोविच ने कहा कि मारियुपोल की सहायता करने वाली नजदीकी सेना पहले से ही ''दुश्मन की भारी ताकत'' के विरुद्ध संघर्ष कर रही थी और ''वर्तमान में मारियुपोल का कोई सैन्य समाधान नहीं है। जेलेंस्की ने रविवार तड़के कहा कि मारियुपोल की घेराबंदी इतिहास में रूसी सैनिकों द्वारा किए गए युद्ध अपराध के रूप में दर्ज होगी। युद्ध में रूसी सैनिकों की मौत के आंकड़े में भिन्नता है लेकिन एक अनुमान के मुताबिक इस युद्ध में रूस के हजारों सैनिक मारे गए हैं। 2008 में जॉर्जिया के साथ युद्ध के दौरान पांच दिनों की लड़ाई में रूस के 64 सैनिकों की जान गई थी। अफगानिस्तान में 10 वर्षों में लगभग 15,000 और चेचन्या में लड़ाई के वर्षों में 11,000 से अधिक रूसी सैनिक मारे गए। रूसी सेना ने शनिवार को कहा कि उसने युद्ध में पहली बार अपनी नवीनतम हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। मेजर जनरल इगोर कोनाशेनकोव ने कहा कि किंजल मिसाइलों ने इवानो-फ्रैंकिवस्क के पश्चिमी क्षेत्र में यूक्रेन की मिसाइलों और विमान से दागे जाने वाले गोला-बारूद के एक भूमिगत गोदाम को नष्ट कर दिया। हालांकि, अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका हाइपरसोनिक मिसाइल के इस्तेमाल की पुष्टि नहीं कर सकता। युद्ध शुरू होने के बाद से संयुक्त राष्ट्र के संगठनों ने 847 से अधिक नागरिकों की मौत की पुष्टि की है, हालांकि वे मानते हैं कि वास्तविक संख्या बहुत अधिक होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि 33 लाख से अधिक लोग यूक्रेन से पलायन कर गए हैं।

चक्रवात 'आसनी' के कारण अंडमान के कुछ हिस्सों में बारिश, तेज हवाएं

पोर्ट ब्लेयर चक्रवात 'आसनी के प्रभाव से रविवार को बारिश और तेज हवाओं के कारण अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में आम जनजीवन प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साल के पहले चक्रवाती तूफान के तेजी से द्वीप समूह की तरफबढ़ने के मद्देनजर अंतर-द्वीपीय जहाज सेवाओं को

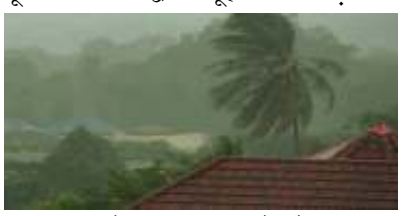

रोक दिया गया है और मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने का अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, एहतियात के तौर पर द्वीप समूह के विभिन्न हिस्सों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के लगभग 100 कर्मियों को तैनात किया गया है और छह राहत शिविर भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर और मध्य अंडमान में बारिश के साथ तेज हवाएं चलीं, लेकिन पोर्ट ब्लेयर में जनजीवन सामान्य रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को जारी एक ट्विटर पोस्ट में कहा, ''आज 20 मार्च 2022 को भारतीय समयानुसार सुबह साढ़े पांच बजे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर बना कल का कम दबाव वाला क्षेत्र न्यूनतम दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील हो गया। अगले 24 घंटों के दौरान इसके और अधिक गहन न्यूनतम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने की आशंका है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, चक्रवाती तूफान के बांग्लादेश और म्यांमा के तटों की तरफबढ़ने के भी आसार हैं।

रूस ने एक और हाइपरसोनिक मिसाइल से हमले का दावा किया

मास्को रूस की सेना ने कहा है कि उसने लंबी दूरी की हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलों से यूक्रेनी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

रूस के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल इगोर कोनाशेनकोव ने रविवार को कहा कि किंझाल हाइपरसोनिक मिसाइल ने काला सागर तट पर मायकोलेव बंदरगाह के पास कोस्तियनतिनिवका में यूक्रेन के ईंधन डिपो पर हमला किया। लगातार दूसरे दिन रूस ने किंझाल मिसाइल का इस्तेमाल किया। यह मिसाइल ध्वनि से 10 गुना अधिक गति से 2,000 किलोमीटर दूर लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। एक दिन पहले रूसी सेना ने कहा था कि पश्चिमी यूक्रेन के कार्पेथियन में डिलियाटिन के आयुध डिपो को नष्ट करने के लिए किंझाल का पहली बार युद्ध में इस्तेमाल किया गया। कोनाशेनकोव ने उल्लेख किया कि कैस्पियन सागर से रूसी युद्धपोतों द्वारा छोड़ी गई कलिब्र क्रूज मिसाइलें भी कोस्तियनतिनिवका में ईंधन डिपो पर हमले में शामिल थीं। उन्होंने कहा कि काला सागर से दागी गई कैलिबर मिसाइल का इस्तेमाल उत्तरी यूक्रेन के चेर्निहाइव क्षेत्र के निजिन में बख्तरबंद उपकरणों के मरम्मत संयंत्र को नष्ट करने के लिए किया गया।

कोनाशेनकोव ने कहा कि मिसाइलों द्वारा एक और हमले ने उत्तरी जाइटॉमिर क्षेत्र में ओव्रुच में एक यूक्रेनी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना बनाया।

चीन में एक साल बाद कोविड से मौत के दो मामले मिले

बीजिंग चीन के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को कोविड-19 से दो व्यक्तियों की मौत होने की जानकारी दी। जनवरी 2021 के बाद से चीन में किसी कोविड मरीज की मौत होने की यह पहली घटना है। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के तेजी से फैलने के कारण चीन दो साल में महामारी के सबसे बदतर दौर से जूझ रहा है। चीन के पूर्वोत्तर जिलिन प्रांत में इन दो कोविड-19 मरीजों की मौत से देश में अब तक मरने

वाले कोविड मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 4,638 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की अधिकारी जिआवो याहुइ ने कहा कि जान गंवाने वाले दोनों कोविड मरीज बुजुर्ग थे। इसके अलावा इनमें से एक बुजुर्ग ने कोविड-19 का टीका भी नहीं लगवाया था। चीन में शनिवार को कोविड-19 के 2,157 नये मामलों में से तीन चौथाई जिलिन में दर्ज किये गये। इसके चलते इस प्रांत में यात्रा संबंधी प्रतिबंध लागू किये गये हैं। सीमा पार करने के लिए लोगों को पहले पुलिस से मंजूरी लेनी पड़ रही है। चीन में इस साल मार्च की शुरुआत से अब तक कुल 29 हजार नये कोविड मरीज मिले हैं, जिनमें बिना लक्षण वाले लोग भी शामिल हैं। वर्ष 2019 के आखिर से महामारी के सबसे खराब दौर का सामना कर रहे चीन में अधिकारियों ने कोरोना वायरस के खिलाफकतई बर्दाश्त नहीं करने की रणनीति पर दोगुनी ताकत से काम करने का फैसला किया है। इसके पहले राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बृहस्पतिवार को कहा था कि चीन को वायरस को नियंत्रित करने में 'न्यूनतम लागत' के साथ 'अधिकतम प्रभाव' की तलाश करनी चाहिए। इस समय महामारी से सर्वाधिक प्रभावित हांगकांग में शनिवार को कोविड-19 के 16,583 नए मामले सामने आए।

यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर किये ड्रोन और मिसाइल से हमले, ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया

दुबई यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार तड़के सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल से हमले किए, जिनसे तरल प्राकृतिक गैस संयंत्र, जल विलवणीकरण संयंत्र, तेल प्रतिष्ठान और बिजली केन्द्र को निशाना बनाया गया। सऊदी अरब की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। यमन में लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि इन हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन क्षेत्र में असैन्य वाहन और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। यह हमला सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के सीमा पार हमलों में हालिया वृद्धि को दर्शाता है। शांति वार्ता रुकी हुई है और 2015 के बाद से यमन के अधिकांश हिस्सों को बर्बाद करने वाला संघर्ष जारी है। हमले इसलिए भी हुए क्योंकि सऊदी अरब सरकार समर्थित तेल की दिग्गज कंपनी अरामको ने घोषणा की कि उसका मुनाफा 2021 में 124 प्रतिशत बढ़कर 110 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, कोरोना वायरस महामारी, वैश्विक आपूर्ति की कमी, तेल की बढ़ती कीमतों और ईंधन की मांग में सुधार को लेकर नयी चिंताओं के बीच मुनाफे में यह एक बड़ी छलांग है। अरामको जिसे सऊदी

अरब तेल कंपनी के रूप में भी जाना जाता है, ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण ऊर्जा बाजारों में तीव्र अस्थिरता के हफ्तों में अपनी कमाई रिपोर्ट जारी की। कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के दुनिया के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक रूस पर दंडात्मक प्रतिबंधों ने पहले से ही मंद ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल मचा दी है। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता येहिया सैरी ने कहा कि समूह ने ''सऊदी अरब के भीतरी क्षेत्र में एक व्यापक और बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया था। सैन्य गठबंधन ने कहा कि उसने अरामको द्वारा संचालित यानबू के लाल सागर बंदरगाह में पेट्रोकेमिकल परिसर में एक तरल गैस संयंत्र पर हमले को विफल कर दिया। हालांकि, तत्काल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले से संयंत्र को कोई नुकसान हुआ है या नहीं। गठबंधन ने कहा कि अन्य हवाई हमलों ने देश के दक्षिण-पश्चिम में एक बिजली स्टेशन, लाल सागर तट पर अल-शकीक में एक विलवणीकरण केंद्र, दक्षिणी सीमावर्ती शहर जिजान में अरामको के एक टर्मिनल और दक्षिणी शहर खमीस मुशैत में एक गैस स्टेशन को निशाना बनाया।

संम्पादकीय.....

वक्त का फैसला

कर्नाटक की शैक्षणिक संस्थाओं में मध्य सत्र में अचानक पैदा हुए हिजाब विवाद का पटाक्षेप कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के बाद हो जाना चाहिए। मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने को लेकर फैसला सुनाया कि हिजाब पहनना इस्लाम धर्म की अनिवार्य प्रथा नहीं है। साथ ही इसे संवैधानिक अधिकार बताने वाली छात्राओं की याचिका भी खारिज कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि शिक्षण संस्थाओं में यूनिफॉर्म लागू करना कानूनी दृष्टि से उचित है। इससे संविधान में दी गई निजता व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का अतिक्रमण नहीं होता। दरअसल, कर्नाटक स्थित उडुपी के दो सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों की कुछ छात्राओं ने कालेज प्रबंधन द्वारा कक्षाओं में हिजाब पहनने पर रोक लगाने के खिलाफकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। साथ ही इसे पहनना संवैधानिक अधिकार बताया था। कालांतर इस मामले को तीन जजों की पीठ को सौंपा गया था। सभी पक्षों को सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाली पीठ में शामिल जजों न्यायमूर्ति कृष्णा एस. दीक्षित व न्यायमूर्ति जे.एम. काजी ने 25 फरवरी तक सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रखा था। पीठ ने निष्कर्ष दिया कि व्यक्तिगत अभिरुचि शैक्षणिक अनुशासन का अतिक्रमण नहीं कर सकती। इस फैसले का केंद्र सरकार व राज्य सरकार ने स्वागत किया। कहा गया कि देश-राज्य की प्रगति के लिये प्रतीकात्मक विवादों से परे छात्रों को अपने मुख्य कार्य पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। वहीं छात्राओं के वकील का कहना है कि मामला सुप्रीम कोर्ट ले जायेंगे। वहीं दूसरी ओर कहा जा रहा है कि धर्म व उसकी मान्यताओं से इतर संविधान सर्वोच्च है। दरअसल, फरवरी के मध्य में जब उडुपी के गवर्नमेंट पीयू कॉलेज फॉर वीमेन की छात्राओं को हिजाब पहनने से रोका गया तो उन्होंने कॉलेज प्रशासन के फैसले को नहीं माना और अदालत की शरण ली थी। जब इस मामले का विरोध हुआ तो कुछ छात्र भगवा शॉल डालकर प्रदर्शन करने लगे। दरअसल, अचानक उठे इस विवाद को लेकर तमाम सवाल खड़े हुए। कालांतर यह प्रकरण उडुपी से निकलकर पूरे कर्नाटक और फिर पूरे देश में विवाद का केंद्र बन गया। इस दौरान कई राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में भी मुद्दे की तपिश महसूस की गई। तब इस विवाद के मूल में राजनीतिक निहितार्थों की बात कही गई। मामले ने तूल पकड़ा तो कई राजनीतिक दल भी इसमें नफा तलाशने लगे। तभी मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने भी कहा कि अकादमिक सत्र के बीच में अचानक यह मुद्दा क्यों उठा? लगता है कि इसके पीछे किसी का हाथ है। निस्संदेह, अशांति पैदा करने व सद्भाव को प्रभावित करने के लिये ऐसा किया गया। वहीं राज्य सरकार कहती रही है कि पहले से तय यूनिफॉर्म ही कालेज में पहनी जा सकती है। साथ ही लड़कियों को छूट दी गई कि वे स्कूल आते-जाते वक्त हिजाब पहन सकती हैं मगर कक्षा में इसे उतारना होगा जिसे छात्राओं ने स्वीकार नहीं किया। कालांतर कर्नाटक के कई स्कूल-कॉलेजों में हिजाब के समर्थन व विरोध में प्रदर्शन हुए। कुछ जगह तोड़फोड़ व पथराव की घटनाएं भी हुईं। स्कूल, कॉलेज बंद किये गये और राज्य में निषेधाज्ञा लागू की गई। वहीं इस मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद कुछ कानून के जानकारों ने इसे धर्म से इतर व्यक्तिगत अधिकार का मुद्दा बताया। साथ ही कहा गया कि ड्रेस कोड निर्धारित करना स्कूल का अधिकार तो है लेकिन इसके क्रियान्वयन से मौलिक अधिकार का हनन नहीं होना चाहिए। कुछ लोग इसे संस्थान की स्वतंत्रता व निजी स्वतंत्रता का द्वंद्व बताने लगे। वहीं बुद्धिजीवी कहने लगे कि हिजाब के पक्ष व विरोध में खड़े छात्रों का पहला काम पढ़ाई करना है। कुछ लोगों ने पोशाक के चयन को अभिव्यक्ति का हिस्सा बताया। वहीं कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस फैसले से अभिव्यक्ति की आजादी के अतिक्रमण की बात से इनकार किया है। कुछ लोगों ने आधुनिक प्रगतिशील समाज में रूढ़िवादी रवैये को खारिज किया। वहीं केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि फैसले से प्रतिभावान लड़कियों को बेहतर मौके मिलेंगे।

भारत और जापान के बीच बड़ी साझेदारी

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वैश्विक लोकप्रियता चरम पर है। विश्व युद्ध जैसी स्थिति के बीच दुनिया के बड़ें बड़ें नेता जहॉ चालीस और बायलीस की अप्रुवल रेटिंग पर अटके है वही भारत के प्रधानसेवक नरेन्द्र मोदी 77 प्रतिशत लोकप्रियता के साथ दुनिया की पहली पसंद बन गए है। इस बीच जापान के प्रधानमंत्री फुमियों किशिंदा की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान हुए छह समझौते और चीन सहित कई मसलों पर भारत के पक्ष चर्चा ने नरेन्द्र मोदी की साख को सराहा है। साइबर सुरक्षा, शहरी विकास के क्षेत्र में मिलकर काम करने के साथ जापान के प्रधानमंत्री द्वारा आगामी पॉच वर्षो में भारत में 3.2० लाख करोड़ के भारी भरकम निवेश से भारत के आर्थिक विकास को एक रफ्तार मिलनी तय है। भारत में जापान का यह बड़ा निवेश इस बॉत का प्रतीक है कि आर्थिक स्तर पर भारत की बढ़ती इकोमी के प्रति वैश्विक हलचल मची हुई है। भारत और जापान के बीच साइबर सुरक्षा, कनेक्टिविटी, जल आपूर्ति और सीवरेज, बागवानी, स्वास्थ्य, जैव विविधिता के क्षेत्र में सात करार किए गए है। समग्र आर्थिक भागीदारी समझौते के अनुच्छेद 13 के मुताबिक, अनुच्छेद सात में संशोधन, विकेन्द्रीकृत घरेलू अपशिष्ट जल प्रबंधन, भारत जापान औद्योगिक भागीदारी रोड़मैप और सतत शहरी विकास में सहयोग जैसे समझौते हुए है। चीन के मुद्दे में जापानी प्रधानमंत्री ने ठीक भारत की तरह कहा है कि हम शांति और सद्भाव के साथ सीमा मुद्दो का समाधान निकालना चाहते है। चीन के साथ हमारे संबंध सीमा संबंधी मुद्दों की प्रगति पर निर्भर करता है। जापान के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कहना कि भारत जापान की सहभागिता सिर्फ दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण नही बल्कि इससे हिन्द प्रशान्त क्षेत्र सहित पूरे विश्व स्तर पर शान्ति और स्थायित्व का प्रोत्साहन मिलेगा। उधर जापान के प्रधामंत्री द्वारा रूस यूक्रेन युद्ध के बारे में बड़े साफगोई तरीके से कहा गया कि हमने युक्रेन की स्थिति की चर्चा की, रूसी हमला एक गंभीर मामला है, कयोकि इसने अंतरराष्ट्रीय मानदंड़ों को हिला दिया है। ताकत के दम पर एकतरफा बदलाव की अनुमति नही दी जानी चाहिए। जलवायु परिवर्तन को लेकर आ रही बड़े विपदा से पूर्व भारत और जापान ने नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए शनिवार को स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी का विस्तार करने पर सहमति जतायी। इसके तहत ई-वाहनों, बैटरी भंडारण और हरित हाइड्रोजन पर जोर दिया जाएगा।चौदहवें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के तहत जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई वार्ता के बाद भारत-जापान स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी पर एक बयान जारी किया गया। बयान में कहा गया है, भारत और जापान स्थायी आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लक्ष्यों को प्राप्त करने के मकसद से ऊर्जा की एक सुरक्षित व स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के सिलसिले में विभिन्न विकल्पों का पता लगाने की आवश्यकता को स्वीकार करते हैं। वे इस विचार को साझा करते हैं कि निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था प्राप्त करने का कोई एक मार्ग नहीं है, बल्कि प्रत्येक देश के लिए अलग-अलग रास्ते हैं। भारत जहां वर्ष 2०7० तक नेट जीरो-कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य बना रहा है, वहीं जापान 2०5० तक यह लक्ष्य हासिल करना चाहता है।जापान अगले पांच साल में भारत में 3.2० लाख करोड़ रुपये (5 ट्रिलियन येन) का निवेश करेगा। यह तोहफा दो दिवसीय भारत दौरे पर आए जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने पीएम नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता के दौरान दिया गया। दोनों देशों ने स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी को मजबूत करने के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार के लिए छह समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए।मीडिया को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत-जापान के मजबूत संबंधों से न केवल दोनों देशों को फायदा होगा, बल्कि यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता को भी बढ़ावा देने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि प्रगति, समृद्धि और साझेदारी भारत-जापान संबंधों के आधार हैं। हम भारत में जापानी कंपनियों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत-जापान के बीच आर्थिक साझेदारी में प्रगति हुई है। जापान भारत में सबसे बड़े निवेशकों में से एक है। भारत-जापान मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर वन टीम वन प्रोजेक्ट के रूप में काम कर रहे हैं। आज की हमारी चर्चा ने हमारे आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया है। हमने द्विपक्षीय मुद्दों के अलावा कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। हमने संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपना समन्वय बढ़ाने का निर्णय लिया है। जापान के पीएम किशिदा ने कहा कि यूक्रेन में रूस का आक्रमण गंभीर मसला है, इसने अंतरराष्ट्रीय नियमों के आधार को हिला दिया है। हमने इस मुद्दे पर चर्चा की। ताकत का इस्तेमाल कर यथास्थिति को बदलने की एकतरफा कोशिशों को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में भारत और जापान के बीच घनिष्ठ साझेदारी होना बहुत जरूरी है।उन्होंने कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत है। जापान-भारत मिलकर युद्ध को खत्म करने की कोशिश करता रहेगा और यूक्रेन तथा उसके पड़ोसी देशों को सहायता प्रदान करता रहेगा। दोनों देशों को खुले तथा मुक्त हिंद प्रशांत क्षेत्र के लिए मिलकर काम करना चाहिए और इसके लिए अपने प्रयास बढ़ाने चाहिए। ज्ञात हो कि पीएम मोदी की 2014 में हुई जापान यात्रा के बाद से, दोनों देशों द्वारा लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णयों के कार्यान्वयन पर जबरदस्त प्रगति हुई है। दोनों देशों ने भारत में सार्वजनिक और निजी निवेश में 3.5 ट्रिलियन जापानी येन का लक्ष्य हासिल किया है जिसकी घोषणा 2014 में पीएम मोदी और पूर्व जापानी पीएम शिंजो आबे ने की थीं। आज भारत में 1,455 जापानी कंपनियां हैं. ग्यारह जापान औद्योगिक टाउनशिप की स्थापनामें राजस्थान में नीमराना और आंध्र प्रदेश में श्री सिटी में सबसे अधिक कंपनियां हैं। ऐसा नही है कि फुमियो किशिदा की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात हो।

पूछो न कैसे मैंने चौन गंवाई

सुबह आंख खुलते ही, एक अजीब सा अहसास हुआ। श्वांस की जो नली प्रिंटिंग की स्याही की गंध निगलने की अभ्यस्त हो चुकी थी, आज वही नली मस्तिष्क को कुछ अलग ही संदेश दे रही थी। मस्तिष्क भी तुरंत हरकत में आया। पता लगाया आखिर माजरा क्या है! गंध चखने की शौकीन इंद्रियों को विशुद्ध वातावरण आखिर रास आता भी तो कैसे! आंखों ने तुरंत सिरहाने के अगल-बगल जांच-पड़ताल की। वातावरण प्रदूषित न होने का भेद आखिर खुल ही गया। आंखों ने मस्तिष्क को संदेश वापस भेजा, आज अखबारों के बंडल गायब हैं। मैं तो पिछले चार से अधिक दशक से बिना किसी डॉक्टर का मशविरा लिए खाली पेट को अखबारों के बंडल खोलकर ही भरता आया हूं। मैंने अपनी श्रीमती गीता को आवाज लगाई। आखिर माजरा क्या है! वह तपाक से बोली, आज पेट भरने के लिए वो सब नसीब होने वाला नहीं। जो होनी थी, वो हो ली, तो फिर भला अखबार आएंगे कैसे! पापी पेट भरने की उधेड़बुन में मेरे माथे पर 'होली' के अनायास ही लगे धब्बे फीके पड़ने लगे। एक बार फिर, गीता के समक्ष आग्रहपूर्ण अर्जी लगाई दू जरा चाय तो बना दो। जवाब तपाक से मिला दू क्यों, आज क्या आफत आ गई! आगे भी तो बनाते हो। खुद पीते हो, मुझे भी पिलाते हो। मैंने भी बस दया की भीख-सी मांगते हुए कहा, आज ईंधन नहीं डला ना! उसने भी विकल्प पेश करने में विलम्ब नहीं किया। तुरंत टीवी का बटन दबा दिया। बोली, अखबार नहीं मिलते तो क्या हुआ, ये लो भर लो चलता-फिरता ईंधन। अब आंखों के साथ कानों के कपाट भी खुल गए। स्क्रीन पर अवतरित एंकर मोहतरमा डिबेट के अपने स्क्रीप्टिड टॉपिक पर अडिग थी। पेनलिस्ट को अपने बिंदास विचार व्यक्त करने से रोक रही थी। मैं भी क्या करता, तकिया 'गोदी' में धर-दबोच, मन-मसोस कर बैठ गया। इसी बीच, एक प्लेट पर चाय के प्याले ने जोर से जम्प लगाया। आवाज भी कड़की दू ये लो, फूंक लो मुंह...। उधर, हर रोज की भांति आज पेट में ट्रैफिक का कोई शोरगुल भी नहीं था। मैं भांप गया कि पेट हल्का होने के मूड में क्यों नहीं है। भागकर स्टोर से अखबारों का पुराना बंडल उठाया। साथ में संडे का बासी मैग्जीन भी बगल में दबा लिया। फिर लगा ली, चटकनी। अरे, ये क्या! ज्यों-ज्यों खबरें पढ़ता गया, मर्ज भी बढ़ता गया, खबरें बासी जो थी। चलो! जैसे-तैसे नहाया और फिर बाहर आया। उधर, श्रीमती ने विनम्रता से कहा कि आज तो मुई 'सौतनें' आई नहीं। इसलिए चलो, अपनी 1० साल से धूल फांक रही बुक-सेल्फ की ही सफाई कर लो। खबरों की विरह-वेदना में तड़पते हुए दो घंटे तक झाड़-पोंछ किया।

महिला विश्व कप: इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को एक विकेट से हराया, सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद बरकरार

हालांकि डेविन को 15वें ओवर में पीठ की समस्या के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा और अमेलिया केर 24 रन पर चार्लोट डीन (36 रन देकर दो विकेट) का पहला शिकार हो गयीं। फिर इंग्लैंड ने मध्य ओवरों में अच्छी वापसी की।

आकलैंड, चौम्पियन इंग्लैंड ने रविवार को यहां आईसीसी महिला विश्व कप के लीग चरण के रोमांचक मैच में मेजबान न्यूजीलैंड पर एक विकेट की जीत से सेमीफाइनल की उम्मीदें जीवंत रखीं। अनुभवी मध्यक्रम बल्लेबाज मैडी ग्रीन न्यूजीलैंड के लिये नाबाद 52 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं जबकि कप्तान सोफी डेविन ने 41 रन का योगदान दिया। लेकिन इंग्लैंड ने ईडन पार्क पर मेजबानों को 203 रन पर समेट दिया। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज केट क्रास (35 रन देकर तीन विकेट) और स्टार स्पिनर सोफी एक्सेलस्टोन (41 रन देकर तीन विकेट) ने मिलकर छह विकेट झटके जबकि स्पिनर चार्ली डीन (36 रन देकर दो विकेट) ने दो विकेट प्राप्त किये। आल राउंडर नटाली स्किवर (61 रन) ने फिर संयमित अर्धशतक से पारी को संभाला लेकिन गत चौम्पियन टीम पांच ओवर के अंदर पांच विकेट पर 176 रन के स्कोर की अच्छी स्थिति से नौ विकेट पर 196 रन के स्कोर पर पहुंच गयी। इससे टीम जीत की स्थिति से करीब करीब हार की कगार पर पहुंच चुकी थी। पर आन्या श्रबसोल (07) और चार्ली डीन (शून्य) ने धैर्य बनाये रखा और इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया जिससे टीम ने टूर्नामेंट में दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत से इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल की दौड़ में बरकरार है। उसने पांचवें स्थान से न्यूजीलैंड को हटा दिया है। भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड सभी के चार अंक हैं। भारत और इंग्लैंड के दो मैच बचे हैं जबकि न्यूजीलैंड का सिर्फ एक मैच बाकी है। इंग्लैंड ने अपनी स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से न्यूजीलैंड को ज्यादा बड़ा स्कोर नहीं खड़ा करने दिया और इसके बाद उसके शीर्ष क्रम ने 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की।

सलामी बल्लेबाज डैनी वाट (12) जेस केर का शिकार हुई जबकि टैमी ब्यूमोंट (25) को ली ताहुहू (18 रन देकर एक विकेट) ने क्लीन बोल्ड किया। कप्तान हीथर नाइट ने 53 गेंद में 42 रन बनाये लेकिन वह 23वें ओवर में फ्रेंकी मैके की गेंद पर पगबाधा आउट हो गयीं। विकेटकीपर एमी जोंस (01) भी चलती बनीं। स्किवर ने फिर सोफी डंकले (33) के साथ मिलकर 70 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभायी जिससे इंग्लैंड की टीम की जीत निश्चित लग रही थी। पर न्यूजीलैंड की गेंदबाजों ने लगातार विकेट झटककर वापसी की और इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा दिया। इससे पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद न्यूजीलैंड की टीम एक समय विशाल स्कोर की ओर बढ़ रही थी जिसमें डेविन इच्छानुसार रन जुटा रही थीं और अमेलिया केर (24) उनके साथ डटी थीं। हालांकि डेविन को 15वें ओवर में पीठ की समस्या के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा और अमेलिया केर 24 रन पर चार्लोट डीन (36 रन देकर दो विकेट) का पहला शिकार हो गयीं। फिर इंग्लैंड ने मध्य ओवरों में अच्छी वापसी की। अनुभवी एम सैटर्थवेट (24) और ग्रीन ने जुझारू जज्बा दिखाया लेकिन इंग्लैंड ने क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करते हुए दो खिलाड़ियों को रन आउट कर दिया। हालांकि पिछले मैचों में इंग्लैंड का क्षेत्ररक्षण लचर रहा था। सैटर्थवेट को डीन ने पगबाधा आउट किया और फिर क्रास और एक्सेलस्टोन ने पुछल्ले बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर न्यूजीलैंड की पारी समाप्त की।

लेक्सस भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उतारने की कर रही है तैयारी

लेक्सस इंडिया के अध्यक्ष नवीन सोनी ने कहा कि कंपनी अब देश में निरंतर विकास के चरण में है। उन्होंने कहा कि अभी कार मॉडल यूएक्स का पूर्ण बैटरी इलेक्ट्रिक रूप में भारतीय जलवायु परिस्थितियों के हिसाब से आकलन किया जा रहा है।

नयी दिल्ली, भारत में वृद्धि के अगले चरण की ओर बढ़ रही लग्जरी कार कंपनी लेक्सस अब यहां अपने बिक्री नेटवर्क को मजबूत करने और पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक कारों समेत नए मॉडल बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। जापान की कार विनिर्माता कंपनी टोयोटा की लग्जरी कार इकाई लेक्सस ने भारत में परिचालन 2017 में शुरू किया था और अभी यह देश में सात कार मॉडल बेचती है जिनमें स्थानीय स्तर पर विनिर्मित ईएस 300 एच सेडान भी शामिल है। स्वतरू चार्ज होने वाली अपनी हाइब्रिड कारों के लिए पहचानी जाने वाली लेक्सस बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में कदम रखने की तैयारी कर रही है। लेक्सस इंडिया के अध्यक्ष नवीन सोनी ने कहा कि कंपनी अब देश में निरंतर विकास के चरण में है। उन्होंने कहा कि अभी कार मॉडल यूएक्स का पूर्ण बैटरी इलेक्ट्रिक रूप में भारतीय जलवायु परिस्थितियों के हिसाब से आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षण में विशेषकर गर्मी और धूल के बैटरी पर असर का पता लगाने के बाद कंपनी देश में इस मॉडल को उतारने के बारे में गंभीरता से विचार कर सकती है। सोनी ने कहा कि भविष्य में चार्जिंग अवसंरचना के विकास के साथ कंपनी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए और भी तैयार होगी।

अगले साल 13 से 18 जनवरी तक होगा ऑटो एक्सपो के अगले संस्करण का आयोजन

ऑटो एक्सपो का आयोजन जहां ग्रेटर नोएडा में होगा वहीं वाहन कलपुर्जा प्रदर्शनी प्रगति मैदान परिसर में आयोजित की जाएगी। ऑटो एक्सपो-2020 में छह लाख से अधिक दर्शक आए थे। पिछली वाहन प्रदर्शन में करीब 700 नए उत्पादों का अनावरण किया गया था या उन्हें उतारा गया था।

नयी दिल्ली, वाहनों की प्रदर्शनी 'ऑटो एक्सपो' के अगले संस्करण का आयोजन अब अगले साल 13 से 18 जनवरी तक होगा। इस साल कोविड-19 महामारी की वजह से ऑटो एक्सपो का आयोजन रद्द कर दिया गया था। इस द्विवार्षिक वाहन प्रदर्शनी का आखिरी बार आयोजन फरवरी, 2020 में हुआ था। उस समय भी यह आयोजन दुनियाभर में खराब होती महामारी की स्थिति के बीच हुआ था। इस साल ऑटो एक्सपो का आयोजन फरवरी में ग्रेटर नोएडा में होना था लेकिन कोविड-19 की वजह से इसे रद्द कर दिया गया। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के महानिदेशक राजेश मेनन ने पीटीआई-से कहा, ''मोटर शो का आयोजन ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 13 से 18 जनवरी, 2023 के दौरान होगा। 11 जनवरी का दिन विशेष रूप से मीडिया के लिए रखा गया है। 12 जनवरी को इसका उद्घाटन समारोह होगा जिसमें मीडिया, विशेष मेहमानों और डीलरों को आमंत्रित किया जाएगा।

सेंसेक्स की टॉप- 10 कंपनियों का मार्केट कैप 2.72 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 33,438.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,37,859.67 करोड़ रुपये रहा। सप्ताह के दौरान दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 15,377.68 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,96,963.73 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

नयी दिल्ली, सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 2.72 लाख करोड़ रुपये का जबर्दस्त उछाल आया। वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के बीच यहां भी जोरदार लिवाली से सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में अच्छी-खासी वृद्धि हुई। छुट्टियों वाले कम कारोबारी सत्रों के सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,313.63 अंक या 4.16 प्रतिशत के लाभ में रहा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 656.60 अंक या 3.95 प्रतिशत चढ़ गया। व्यापक बाजार में तेजी के रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 2,72,184.67 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 54,904.27 करोड़ रुपये बढ़कर 16,77,447.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस टेक्नोलॉजीज का बाजार मूल्यांकन सामूहिक रूप से 41,058.98 करोड़ रुपये बढ़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 27,557.93 करोड़ रुपये बढ़कर 13,59,475.36 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं इन्फोसिस का मूल्यांकन 13,501.05 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 7,79,948.32 करोड़ रुपये रहा। देश के शीर्ष बैंकों एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार मूल्यांकन में जोरदार उछाल आया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 46,283.99 करोड़ रुपये बढ़कर 8,20,747.17 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 27,978.65 करोड़ रुपये बढ़कर 4,47,792.38 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक की 29,127.31 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,00,174.83 करोड़ रुपये रही।

हार के बाद जॉली-गोपीचंद की जोड़ी का सफर हुआ खत्म

बर्मिंघम, तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी का आल इंग्लैंड बैडमिंटन चौम्पियनशिप में शानदार सफर यहां महिला युगल स्पर्धा में शु जियान झांग और यु झेंग की जोड़ी से सीधे गेम में मिली हार के बाद समाप्त हो गया। भारतीय जोड़ी ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें अंतिम चार मुकाबले में चीनी जोड़ी से शनिवार को यहां 17-21 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी की हार से पहले युवा लक्ष्य सेन इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे पुरूष भारतीय एकल खिलाड़ी बने थे। सेन ने सेमीफाइनल में गत चौम्पियन मलेशिया के ली जि जिया को 21 - 13, 12 - 21, 21 - 19 से हराया था। अब वह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन के सामने होंगे जिसमें उनका जीत का रिकॉर्ड 1-4 है। दुनिया के 11वें नंबर के भारतीय को डेनमार्क के खिलाड़ी के खिलाफएकमात्र जीत जर्मन ओपन में पिछली भिड़ंत में मिली थी।

इराक का विश्व कप क्वालीफायर मैच सऊदी अरब स्थानांतरित, शनिवार को होगा मुकाबला

इराक का विश्व कप क्वालीफायर मैच सऊदी अरब स्थानांतरित हो गया है।इराक फुटबॉल संघ ने पिछले महीने ही घोषणा की थी कि फीफा ने इस मैच की मेजबानी बगदाद को सौंपी है। इस देश ने 2003 के बाद सिर्फदो बार विश्व कप मैचों की मेजबानी की है।

कुआलालंपुर। इराक और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आगामी फुटबॉल विश्व कप क्वालीफायर मैच को बगदाद से सऊदी अरब के रियाद शहर में स्थानांतरित कर दिया गया। अमेरिका के नेतृत्व में 2003 में हुए आक्रमण के बाद बगदाद में यह फीफा का पहला अंतरराष्ट्रीय मैच होने वाला था लेकिन देश के उत्तर में स्थित इरबिल शहर पर रविवार के मिसाइल हमले के बाद फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने शनिवार को इसे रियाद में खेले जाने की घोषणा की।

यहां जारी बयान के मुताबिक, '' इराक की हालिया घटनाओं के साथ-साथ हाल के सप्ताहों में वैश्विक सुरक्षा में आये व्यापक बदलाव के बाद, फीफा और एएफसी द्वारा संयुक्त रूप से इराक में सुरक्षा की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन किया गया।'' उन्होंने कहा, '' इस आकलन के आधार पर हमने इस सभी हितधारकों के सुरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, यह निर्णय लिया कि मैच को तटस्थ स्थान पर ले जाया जाना चाहिए।'' इराक फुटबॉल संघ ने पिछले महीने ही घोषणा की थी कि फीफा ने इस मैच की मेजबानी बगदाद को सौंपी है। इस देश ने 2003 के बाद सिर्फदो बार विश्व कप मैचों की मेजबानी की है। इराक ने 2011 में इरबिल में जॉर्डन और फिर 2019 में बसरा में हांगकांग की मेजबानी की थी।

भारत-पाकिस्तान के बीच होगा कड़ा मुकाबला, श्रीलंका कर रहा एशिया कप की मेजबानी

टी20 विश्व कप के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच काफी सालों बाद मुकाबला खेला गया था। इस मुकाबले में भारत को पाकिस्तान ने 10 विकेट से हराया था। बेहद ही शर्मनाक हार के बाद मौजूदा कप्तान विराट कोहली की काफी आलोचना भी हुई थी। विराट की कप्तानी में खेला जाने वाली यह आखिरी सीरीज थी। उसके बाद विराट ने कप्तानी छोड़ दी थी। अब भारत की कप्तानी रोहित शर्मा के हाथ में हैं। पिछली कई घरेलू सीरीज भारत रोहित शर्मा की कप्तानी में जीत चुका हैं। एशिया कप को भी भारत जीतने के इरादे से ही मैदान में उतरेगी। एशिया कप में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान का सामना होगा। साल 2022 में होने वाले ऐशिया कप को लेकर घोषणा की गयी हैं।

हर महिला को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलम्बी बनने का अवसर मिले

परिवार में एक माँ के रूप में महिला विशिष्ट भूमिका अदा करती है
वर्तमान युग नारी शक्ति का युग है-आनंदीबेन पटेल

लखनऊ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज लखनऊ स्थित अंसल गोल्फसिटी के एक स्थानीय होटल में अमर उजाला समूह द्वारा आयोजित वूमेन अचीवर्स एवार्ड समारोह में सहभागिता करते हुये समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अद्वितीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सम्मानित होने वाली महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि हर महिला को आर्थिक रूप से सशक्त होने और उनको स्वावलम्बी बनने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रतिष्ठा व बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए। क्योंकि परिवार में एक माँ के रूप में वह अपनी विशिष्ट भूमिका अदा करती है।

राज्यपाल ने कहा कि यह सच है कि इक्कीसवीं शताब्दी में हमारे देश की महिलाएं न केवल स्वावलम्बी बनकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी हैं, बल्कि भावी संगठनों का निर्माण करते हुए सशक्त भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि अनेक महिलाओं ने सामाजिक नैतिकता की बाध्यताओं को पार करते हुए घर व कार्यस्थल पर स्वयं को सफल उद्यमी व कार्यकारी व्यावसायिकों के रूप में साबित किया है। नए उद्यमों को आरंभ करने व उनका सफलतापूर्वक संचालन करने वाली महिलाओं ने विपरीत परिस्थितियों में भी उपलब्धियां अर्जित की हैं और दूसरों को प्रेरित भी कर रही हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि वर्तमान युग नारी शक्ति का युग है। हमें सफल महिलाओं से प्रेरणा लेते हुए हर महिला को आर्थिक स्वावलम्बन की चुनौती को स्वीकारना होगा। केन्द्र सरकार का भी दृष्टिकोण महिलाओं के नेतृत्व वाले सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने में है। सरकार ने कामकाज के हर क्षेत्र में महिलाओं की गरिमा को महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज सबसे गरीब महिलाएं जो सुरक्षित स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी की समस्याओं का सामना करती थी, उन्हें शौचालय, रसोई गैस आदि से अधिक सुरक्षित स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण मिला है। हमारे प्रधानमंत्री के नारी सशक्तिकरण के प्रयास बहनों की उपलब्धियों में दिख रहे हैं।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 15 महिलाओं को सम्मानित किया व कुंवर ग्लोबल स्कूल, लखनऊ के बच्चों को उपहार प्रदान किया।

इस अवसर पर अमर उजाला के सम्पादक राजीव सिंह, ए०वी०पी० भूपेन्द्र दुबे, ब्यूरो चीफ अनिल सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

अपर मुख्य सचिव, चीनी उद्योग व गन्ना विकास विभाग, उ.प्र. की अध्यक्षता में उ.प्र. गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर के कार्यों से सम्बन्धित समीक्षा बैठक की गई

लखनऊ उ.प्र. गन्ना शोध परिषद शाहजहॉपुर के कार्यों की समीक्षा बैठक अपर मुख्य सचिव, गन्ना विकास व चीनी उद्योग, उ.प्र. की अध्यक्षता में आज भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, तेलीबाग के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश के अपर मुख्य सचिव, संजय आर. भूसरेड्डी ने न्यायालय में लम्बित वादों, अनुशासनिक कार्यवाहियों, सेवा निवृत्त कार्मिकों की देयताओं, ए.सी.पी., मानव सम्पदा पोर्टल, रिक्त पदों पर भर्ती, राजस्व सृजन व बैलेन्स शीट, किसानों के लिए जैव उत्पादों का वृहद स्तर पर उत्पादन आदि विषयों पर गहनता से समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव ने अभिजनक बीज उत्पादन कार्यक्रम, जैव उर्वरकों व बायो पेस्टीसाइड का उत्पादन व वितरण, उ.प्र. गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर की महत्तवपूर्ण उपलब्धियों व प्रसार कार्यों की प्रगति के सम्बन्ध में भी समीक्षा की। उन्होंने शोध परिषद के वैज्ञानिकों को नियमित रूप से क्षेत्र स्तर पर निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया व शोध परिषद के व्यय के सापेक्ष आय बढ़ाने के निर्देश भी दिये। समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि गन्ना किसानों को रोग व कीट रहित उच्च गुणवत्ता का बीज गन्ना उपलब्ध कराना हमारी सर्वाच्च प्राथमिकताओं में है, उन्होने गन्ना शोध परिषद के निदेशक व वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि नई गन्ना किस्मों के पर्याप्त बीज किसानों तक त्वरित गति से पहुचाने के लिए बसन्तकाल में अधिकतम अभिजनक बीज पौधशाला अधिस्थापित करायी जाए इसके लिए चीनी मिल फार्मों का भी उपयोग किया जाए। भूसरेड्डी ने उर्वरकों के संतुलित उपयोग व जैव उर्वरकों को बढ़ावा देते हुए कहा कि अधिक से अधिक किसानों की मृदा का परीक्षण सुनिश्चित किया जाय, जिससे कि किसानों को यह ज्ञात हो सके कि उसके खेत में किस तत्व की कमी है जिससे वह उसकी पूर्ति कर उत्पादन वृद्वि कर सके। शोध परिषद जैव उर्वरकों का उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराये। उन्होंने शोध परिषद को अपनी आय बढ़ाने के लिए जैव उर्वरकों, जैव पेस्टीसाईड व ट्राइकोकार्ड का व्यवसायिक उत्पादन करने व वैकल्पिक साधनों से आय बढ़ाने के निर्देश देते हुए वैज्ञानिकों से कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से गन्ना शोध परिषद की आय बढ़ाने का प्रयास करें। मानव सम्पदा पोर्टल से सम्बन्धित प्रगति की समीक्षा व पोर्टल पर रजिस्टर्ड कार्मिकों से सम्बन्धित डाटा फीडिंग कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिये साथ ही शोध परिषद अन्तर्गत विभिन्न संस्थानोंध्केन्द्रों के लिए स्वीकृत, भरे व रिक्त पदों की समीक्षा की गई व वैज्ञानिकों के रिक्त पदों पर भर्ती किये जाने के लिए निर्देशित किया गया।

आलू से लदी हुई ट्रैक्टर ट्रालियों कई दिनों से खड़ी

बीकेटी, लखनऊ बीकेटी स्थित तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गोल्डन ग्रीन कोल्ड स्टोरेज व बीकेटी कोल्ड स्टोरेज में किसानों के आलू से लदी हुई ट्रैक्टर ट्रालियों कई दिनों से खड़ी हुई है। पर उनका आलू जमा नहीं हो पा रहा है।इससे किसान आंदोलित है। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के सचिव रामदेव तिवारी, सर्वेश कुमार, भाकियू आंदोलनकारी प्रभारी राकेश यादव, किसान अमर बहादुर, छोटेलाल सहित दर्जनों किसानों ने बताया कोल्ड स्टोरेज के सामने आलू से लदे हुए ट्रैक्टर ट्रालियों कई दिनों से खड़ी हुई है। किंतु उनका आलू शीत ग्रहों में जमा नहीं हो पा रहा है। किसानों ने शीत ग्रहों के मालिकों पर आरोप लगाया की कई दिनों तक ट्रैक्टरों में लड़ा हुआ आलू सड़ता रहता है। जिससे किसानों का आलू चौपट हो रहा है। किसान कई कई रात तक शीतग्रहों में आलू जमा करने के लिए भूख और प्यास को त्याग कर जमा करने के चक्कर में ट्रैक्टर पर बैठे रहते है। पर कोल्ड स्टोरेज के मालिकों की नादिरशाही व्यवस्था के चलते किसानों का आलू जमा न होने के चौपट हो रहा है। इन शीतग्रहो के सामने 3० से 35 आलू से लदी हुई ट्रैक्टर ट्रालियों खड़ी हुई है । यदि किसी प्रभाव शाली किसान या नागरिक से मालिक की साठगांठ है तो आलू जमा होते देर नहीं लगती। जब इस संबंध में शीत ग्रहों के मालिक से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया की किसानों का आलू जमा हो रहा है पर हकीकत इससे विपरीत है।जबकि बख्शी तालाब तहसील के आला अधिकारी और विकास खंड बीकेटी के खंड विकास अधिकारी बराबर चक्कर लगाते रहते है। पर वे इस और मुड़कर भी नही देखते है। किसानों ने बताया की इटौंजा क्षेत्र में विपरण की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसान अपना आलू बेच सके पर शासन प्रशासन मौन धारण किए बैठा है। इटौंजा क्षेत्र में आलू का रिकॉर्ड उत्पादन होता है। इटौंजा, महोना, नगर चौगवा, परसहिया, कुम्हरावा, रेवामऊ, सुवंशीपुर, महिंग्वा तथा अन्य गांवों में आलू बोया जाता है। इन गांवों में रिकॉर्ड तोड उत्पादन होता है।

दूसरे दिन भी जारी रहा बिजली इंजीनियरों का आंदोलन

-होली के मद्देनजर आगे चार दिनों तक करेंगे विभागीय कामकाज

लखनऊ। उप्र ऊर्जा निगमों के अभियन्ताओं व जूनियर इंजीनियरों ने बुधवार को भी जनपद मुख्यालयों पर दूसरे दिन भी एक घण्टे की विरोध सभा आयोजित की। संगठन के पदाधिकारियों वीपी सिंह, जीबी पटेल, प्रभात सिंह, जय प्रकाश ने जारी बयान में बताया कि ऊर्जा निगमों में विद्युत उत्पादन और विद्युत आपूर्ति के लिए न्यूनतम मैन, मनी, मैटीरियल न दिये जाने से जहां प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सबको बिजली हरदम बिजली के लक्ष्य को पूर्ण कर पाने में बिजली कर्मचारियों को काफी दिक्कतें आ रही हैं वहीं दूसरी ओर शीर्ष प्रबन्धन द्वारा कार्यों का अव्यवहारिक समीक्षा के आधार पर लगातार उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों से कार्य का वातावरण बिलकुल समाप्तप्राय है। उप्र के ऊर्जा निगमों के प्रबन्धन द्वारा ईआरपी प्रणाली खरीद व बिजली क्रय करने में उच्च स्तर पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है जिस पर पर्दा डालने के लिए प्रबन्धन कर्मचारी संगठनों के शान्तिपूर्ण ध्यानाकर्षण आन्दोलन को अलोकतांत्रिक ढंग से दमन करने की कोशिश किया जा रहा है। ईआरपी प्रणाली पर अरबों रुपए खर्च करने के बाद भी विभागीय कार्यप्रणाली के अनुरूप न होने एवं समुचित प्रशिक्षण न दिये जाने से इतने मंहगी ईआरपी प्रणाली का सही रूप में क्रियान्वित न हो पाने की पूरी जिम्मेदारी शीर्ष प्रबन्धन की है। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेन्स नीति की खुलेआम धज्जियां उड़ाने वाले अरबों रुपए के इस घोटाले और ऊर्जा निगमों में व्याप्त शीर्ष स्तर पर कुप्रबन्धन के लिए दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करे। वहीं होली के महत्वपूर्ण त्योहार के दृष्टिगत प्रदेश की जनता को विद्युत आपूर्ति से सम्बन्धित कोई दिक्कत न होने पाये इसके लिए समस्त अभियन्ता और जूनियर इंजीनियर ने कहा कि अपने कार्यों का सम्पादन करते रहेंगे और अगले चार दिनों तक आन्दोलन कार्यक्रम स्थगित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों के कोविड टीकाकरण अभियान का शुभारम्भ किया

मुख्यमंत्री ने डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय में वैक्सीनेशन सेन्टर का निरीक्षण किया
प्रधानमंत्री के नेतृत्व व मार्गदर्शन में देश ने इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना के खिलाफ लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ी: मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज प्रदेश में 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों के कोविड टीकाकरण अभियान का शुभारम्भ डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय में किया। इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सालय के वैक्सीनेशन सेन्टर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टीकाकरण के लिए आये बच्चों से संवाद किया व टीकाकरण के केन्द्र की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने अधिकारियों को टीकाकरण कार्य भारत सरकार की गाइडलाइन्स के अनुरूप संचालित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के पश्चात मुख्यमंत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना के खिलाफ लड़ाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में देश ने पूरी मजबूती के साथ लड़ी है। उन्होंने कहा कि दुनिया ने भारत के कोरोना प्रबन्धन की न केवल मुक्त कंठ से प्रशंसा की, बल्कि सर्वत्र भारत के कोरोना मॉडल को अपनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी पूरी तरह से नियंत्रण में है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ लागू किए गये 4 टी फॉर्मूले के तहत ट्रेस, टेस्ट, ट्रीट और टीका, इन सभी में उत्तर प्रदेश अग्रणी है। सर्वाधिक टेस्ट करने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। साथ ही, सर्वाधिक वैक्सीनेशन करने वाला राज्य भी उत्तर प्रदेश है। राज्य में अब तक 29 करोड़ 54 लाख से अधिक वैक्सीन की डोज दी जा चुकी हैं। प्रदेश में वैक्सीन की पहली डोज के 1०० प्रतिशत के लक्ष्य को क्रॉस किया जा चुका है। अब तक 1०3 प्रतिशत से ऊपर वैक्सीन की प्रथम डोज पूरे प्रदेश में उपलब्ध करवाई जा चुकी है। सेकेण्ड डोज भी प्रदेश में 82 प्रतिशत से अधिक लोगों ने ले ली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 97 प्रतिशत हेल्थ वर्कर्स, कोरोना वॉरियर्स व कोमॉर्बिड सीनियर सिटिजन को प्रिकॉशन डोज उपलब्ध करवायी जा चुकी है। 15 से

17 आयु वर्ग के बच्चों के वैक्सीनेशन में उत्तर प्रदेश ने बहुत अच्छी सफलता प्राप्त की है। प्रदेश में इस आयु वर्ग में ०1 करोड़ 29 लाख 22 हजार से अधिक वैक्सीन की प्रथम डोज दी गई है, जो लगभग 92 प्रतिशत है। इस आयु वर्ग के 65 लाख 5० हजार बच्चों को सेकेण्ड डोज भी उपलब्ध करवायी गई है, जो कुल संख्या का लगभग 47 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ देश की इस लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए आज से 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों को वैक्सीन की डोज दी जा रही है। प्रदेश के 3०० केन्द्रों में यह वैक्सीन उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रदेश में 12 से 14 आयु वर्ग के 84 लाख 64 हजार बच्चें हैं। इन सभी के लिए प्रर्याप्त वैक्सीन उपलब्ध है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चे बड़ी उत्सुकता व उत्साह के साथ वैक्सीनेशन सेण्टर पर आये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के सहयोग से इस सदी की सबसे बड़ी महामारी पर प्रदेश सरकार द्वारा शीघ्र ही नियंत्रण करने में सफलता प्राप्त की है। कोरोना महामारी की थर्ड वेव पूरी तरह नियंत्रित है। इस समय प्रदेश में एक्टिव केसेज की संख्या मात्र एक हजार के आस-पास है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों को आशंका है कि फोर्थ वेव भी आ सकती है। इसलिए सतर्कता और सावधानी बरतना आवश्यक है। उन्होंने इस सम्बन्ध में लोगों से अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर जाएं तो मास्क का प्रयोग अवश्य करें। किसी वस्तु को छूने पर हाथ को अवश्य धोयें या सैनिटाइज करें। वैक्सीन समय पर अवश्य ले लें। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि 12 से 14 आयु वर्ग के सभी 84 लाख 64 हजार से अधिक बच्चों को कोरोना की वैक्सीन उपलब्ध कराकर एक सुरक्षा कवच प्रदान किया जाएगा।

सामान्य से हटकर इन तरीकों से पहनें साड़ी, लगेंगी बहुत ही खूबसूरत

कई महिलाएं साड़ी पहनना काफी पसंद करती हैं क्योंकि इससे उन्हें ट्रेडिशनल और एलिगेंट लुक मिलता है। हालांकि, क्या आप एक तरीके से साड़ी पहन पहनकर थक चुकी हैं? अगर हां तो आज का हमारा लेख आपके लिए है। आइए आज हम आपको चार तरह से साड़ी को पहनने का तरीका बताते हैं, जिन्हें आप बहुत ही आसानी से बांध सकती हैं और अपने लुक को और भी ज्यादा खूबसूरत बना सकती हैं।

बंगाली स्टाइल में पहनें साड़ी

इसके लिए सबसे पहले सामान्य से अधिक लंबा पल्लू लें और उसे अपने बाएं कंधे पर रखें, फिर पल्लू के अंतिम कोने को दाहिने हाथ के नीचे अपने दाहिने कंधे पर ले जाएं और उन्हें जगह पर पिन करें। इसके बाद दाहिनी ओर से साड़ी की पलटें बनाना शुरू करें और बाकि बचे साड़ी के हिस्से को अपनी चारों तरफसे अंदर कर लें। इस तरह से आप बहुत ही आसानी से बंगाली स्टाइल साड़ी पहन सकती हैं।

महाराष्ट्रीयन स्टाइल में जचेगी साड़ी

सबसे पहले साड़ी को दो भागों में बांट लें और बायीं ओर से इसका हिस्सा कम रखें, फिर इन हिस्सों के किनारों से गांठ बांध लें। इसके बाद साड़ी के बाएं हिस्से को अपने बाएं पैर के नीचे लाएं और इसकी पलटें बनाकर साड़ी के अंदर डाल दें। फिर साड़ी के सामने वाले हिस्से को अपने दाहिने पैर के नीचे लें और इसकी भी पलटें बनाकर साड़ी में डालें। अब साड़ी के पल्लू को सेट करें।

मरमेड स्टाइल साड़ी बांधना है बहुत आसान

सबसे पहले साड़ी के एक किनारे को दाहिनी ओर से अंदर करें, फिर साड़ी को अपनी चारों तरफएक बार लपेटें। फिर साड़ी के पल्लू की पलटें बनाएं और इसे कंधे पर रखें और साड़ी के बीच के हिस्से की पलटें बनाकर साड़ी में डालें। अगर आप चाहते हैं कि आपकी साड़ी की पलटें लंबे समय तक इसी तरह सेट रहे तो इस पर सेफ्टी पिन लगाएं। आप चाहें तो साड़ी ब्रॉच भी लगा सकते हैं।

रेट्रो स्टाइल साड़ी में लगेंगी खूबसूरत

इस स्टाइल में साड़ी पहनने के लिए सबसे पहले एक पैरों को चौड़ा करें, फिर साड़ी के एक किनारे को दाहिनी ओर से साड़ी के अंदर करें। अब दूसरी तरफसे साड़ी को एक बार लपेटें, फिर नीचे की तरफ से साड़ी को इस तरह लपेटें, जिस तरह गोल सीडियां होती हैं। इसके बाद साड़ी के पल्लू की पलटें बनाकर कंधे पर रखें और इस पर एक सेफ्टी पिन लगाएं ताकि पलटें खराब न हो।

मजा दोगुना कर सकती हैं ये मॉकटेल ड्रिंक्स, आसान हैं बनाना

अगर आप होली के मौके पर पार्टी आयोजित करने वाले हैं तो यकीनन इसके लिए आपने एक खास खाने का मैन्यू भी सोच रखा होगा, लेकिन क्या इसमें ड्रिंक के

नाम पर सिर्फठंडाई शामिल है? अगर हां, तो आपको बता दें कि आप उसकी बजाय स्वादिष्ट मॉकटेल ड्रिंक्स से अपनी पार्टी का मजा दोगुना कर सकते हैं। आइए आज हम आपको होली के लिए कुछ मॉकटेल ड्रिंक्स की रेसिपी बताते हैं।

ऑरेंज मॉकटेल

इसके लिए सबसे पहले एक जग में दो कप संतरे का जूस, एक चौथाई कप नींबू का रस, एक चौथाई कप पानी और दो-तीन बड़ी चम्मच चीनी मिलाएं। जब चीनी अच्छी तरह घुल जाए तो इसमें थोड़ा क्लब सोडा, पुदीने की कुछ पत्तियां और कुछ बर्फके टुकड़े डालें। अब इस टेंगी मॉकटेल को गिलास में डालें, फिर इस पर कुछ पुदीने की पत्तियां गर्निश करके परोसें और खुद भी पीएं। यकीनन यह आपको बेहद पसंद आएगी।

मिंटी लेमोनी मॉकटेल

होली पर आपको ऊर्जावान बनाए रखने के लिए यह मिन्टी लेमोनी मॉकटेल आपकी काफी मदद कर सकती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पुदीने की ताजी पत्तियों को पानी के साथ मिक्सी में बारीक पीस लें। अब इस मिश्रण को छानकर कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें। इसके बाद एक लंबे गिलास में पुदीने का रस, नमक, नींबू का रस और काली मिर्च पाउडर मिलाएं, फिर इसमें बर्फके कुछ टुकड़े डालकर इसका सेवन करें।

पोमेग्रेनेट पंच

सबसे पहले मिक्सी में दो कप अनार के दानों को पीस लें, फिर इसे एक जग में डालकर इसमें एक गिलास पानी, एक कप कल्ब सोडा और दो चम्मच नींबू का रस अच्छे से मिला लें। अगर आपको ये कम मीठा लग रहा है तो आप इसमें शहद भी मिला सकते हैं। अंत में इस ड्रिंक में पुदीने की पत्तियां डालकर इसका सेवन करें। आप चाहें तो ड्रिंक पर अनार के दाने गार्निश करके इसे और प्रेजेंटेबल बना सकते हैं।

ब्लूबेरी लाइम मॉकटेल

इस मॉकटेल ड्रिंक को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक लीटर पानी, डेढ़ कप ताजा ब्लूबेरी, एक बड़ी चम्मच कद्दूकस किया हुआ अदरक और चार बड़ी चम्मच चीनी डालकर गर्म करें। जब इसमें एक उबाल आ जाए तो एक चम्मच से ब्लूबेरी को मैश करें। अब गैस बंद करके मिश्रण को ठंडा होने दें। इसके बाद इसे एक जग में छानकर इसमें नींबू का रस (स्वादानुसार), बर्फके टुकड़े और पुदीने की पत्तियां डालकर इसे सर्व करें।

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में अपना कॅरियर कैसे बनाएं?

ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट ऐसे रोगियों को दूसरों पर निर्भर हुए बिना अपने रोजमर्रा के काम करने के लिए स्थिरता और गतिशीलता हासिल करने में मदद करते हैं। कोई भी इस ऑर्थोटिस्ट या प्रोस्थेटिस्ट कॅरियर का विकल्प चुन सकता है।

ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट कौन होते हैं?

ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर होते हैं जो ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक उपकरणों की योजना बनाते हैं, विकसित करते हैं, फिट करते हैं और संशोधित करते हैं। इन उपकरणों में ऑर्थोस ब्रेसिज, जैसे कृत्रिम हाथ और पैर शामिल हैं।

ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट विकलांग रोगियों को सहायता प्रदान करते हैं। वे उन्हें कृत्रिम अंगों (प्रोस्थेटिक्स) से जोड़ते हैं और उन्हें स्थिरता हासिल करने में मदद करते हैं। कई बार दुर्घटना में लोगों के हाथ-पैर भी टूट जाते हैं। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट उनके जीवन में सहायक उपकरणों को ठीक करने और गतिशीलता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे हादसों का शिकार हुए इंसान अक्सर आजीवन अपंगता का शिकार हो जाते हैं। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालाँकि वे मूल अंग को वापस नहीं ला सकते हैं, लेकिन वे कृत्रिम अंगों जैसे ऑर्थोटिक ब्रेसिज या ऑर्थोस के साथ उन्हें फिट करके उन्हें स्थिरता प्रदान कर सकते हैं।

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स कॅरियर के रूप में

ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट का कॅरियर सभी के लिए उपयुक्त है चाहे वह लड़का हो या लड़की। विकलांगता से पीड़ित लोगों को अक्सर दूसरों पर आजीवन निर्भरता रहना पड़ता है। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट ऐसे रोगियों को दूसरों पर निर्भर हुए बिना अपने रोजमर्रा के काम करने के लिए स्थिरता और गतिशीलता हासिल करने में मदद करते हैं। कोई भी इस ऑर्थोटिस्ट या प्रोस्थेटिस्ट कॅरियर का विकल्प चुन सकता है।

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में स्नातक उन छात्रों के लिए एक करियर विकल्प है जो फार्माकोलॉजी, विच्छेदन सर्जरी और यहां तक कि ग्राफिकल संचार जैसे विषयों का अध्ययन करना चाहते हैं ताकि लगभग हर डोमेन में रोगियों की मदद की जा सके। इस कोर्स को करने पर छात्रों को किसी भी प्रोस्थेटिक या ऑर्थोटिक बीमारियों वाले रोगियों के इलाज के लिए एक पेशेवर

दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम बनाया जाता है। प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स में स्नातक (बीपीओ) पाठ्यक्रम को देश में हो रही चिकित्सा प्रगति के अनुसार डिजाइन किया गया है। यह छात्रों को न्यूरोमस्कुलर और लोकोमोटर विकारों के पुनर्वास उपचार का विस्तृत अध्ययन प्रदान करता है। इतना ही नहीं, यह पाठ्यक्रम छात्रों को शारीरिक कल्याण के क्षेत्र में सक्षमता बनाने में भी मदद करता है। प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स में स्नातक 4 साल का पूर्णकालिक स्नातक पाठ्यक्रम है जिसे तीन महीने प्रोस्थेटिक्स में और तीन महीने ऑर्थोटिक्स के साथ कुल छह महीने के अनिवार्य प्रशिक्षण के साथ पूरा किया जाता है।

पाठ्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले कुछ विशेष विषय इस प्रकार हैं-

- जैवयांत्रिकी
- प्रोस्थेटिक साइंस
- ऑर्थोटिक साइंस
- मोबिलिटी एंड रिहैबीलीटेशन एड्स
- विच्छेदन सर्जरी और इमेजिंग विज्ञान
- सहायक तकनीक
- औषध
- ग्राफिकल संचार
- हड्डी रोग

सभी ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट को ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स में मास्टर डिग्री पूरी करनी चाहिए। मास्टर प्रोग्राम को पूरा होने में आमतौर पर 2 साल लगते हैं।

बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में लौटी बहार, खुलते ही 800 अंक चढ़ा सेंसेक्स

नई दिल्ली ,। मजबूत ग्लोबल ट्रेंड के बीच घरेलू शेयर बाजार ने बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर के शेयरों में तेजी लौट आई है। इससे भी बाजार को फायदा मिल रहा है। एक दिन पहले की गिरावट के बाद आज जैसे ही कारोबार की शुरुआत हुई, बीएसई सेंसेक्स 800 अंक से ज्यादा चढ़ गया। सेंसेक्स और निफ्टी पर सेशन शुरू होने से पहले सिंगापुर में एसजीएक्स निफ्टी मजबूत शुरुआत के संकेत दे रहा था। एसजीएक्स निफ्टी सुबह में 240 अंक से ज्यादा की बढ़त में था। प्री-ओपन में बीएसई सेंसेक्स भी 800 अंक से ज्यादा की बढ़त में था। बाजार खुलने के बाद भी यह मोमेंट बना रहा। सुबह 09.20 बजे बीएसई सेंसेक्स करीब 810 अंक चढ़कर 56,585 अंक से कुछ ऊपर कारोबार कर रहा था। एनएसई निफ्टी भी करीब 230 अंक चढ़कर 16,900 अंक के पास बना हुआ था। इससे पहले लगातार 5 दिनों की तेजी के बाद मंगलवार को इसपर ब्रेक लग गया। सेंसेक्स में 700 अंक से ज्यादा की गिरावट आई और यह 55,775 अंक के आस-पास बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 200 अंक से ज्यादा गिरकर 16,650 अंक से कुछ नीचे बंद हुआ। सोमवार को बाजार ने सप्ताह की अच्छी शुरुआत की थी। सोमवार को कारोबार समाप्त होने के बाद सेंसेक्स 935.72 अंक (1.68 फीसदी) के फायदे के साथ 56,486.02 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 240.85 अंक (1.45 फीसदी) मजबूत होकर 16,871.30 अंक पर बंद हुआ था। आज ग्लोबल मार्केट से बाजार को सपोर्ट मिल रहा है। अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ब्याज दर बढ़ाने का ऐलान कर सकता है। इससे एक दिन पहले के कारोबार में मंगलवार को अमेरिकी बाजार में तेजी देखने को मिली। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.82 फीसदी की और नास्डैक कंपोजिट 2.92 फीसदी की तेजी में रहा। बुधवार को एशियाई बाजारों में भी मजबूती बनी हुई है। जापान का निक्की 1.36 फीसदी, टॉपिक्स इंडेक्स 1.4 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.68 फीसदी की मजबूती में है। इन्वेस्टर्स उम्मीद कर रहे हैं कि रूस और यूक्रेन के बीच करीब 1 महीने से जारी विवाद अब जल्दी ही शांत हो सकता है। यूक्रेन ने नाटो में शामिल होने के फैसले से पीछे हटने का साफसंकेत दिया है। इससे कच्चे तेल की उबाल कम हुई और यह 7 फीसदी नरम हो गया। करीब 1 महीने बाद पहली बार क्रूड ऑयल का भाव 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आया है। वहीं फेडरल रिजर्व से उम्मीद की जा रही है कि वह ब्याज दर को 0.25 फीसदी बढ़ाएगा। इन सब संकेतों से बाजार को राहत मिल रही है।

दो वर्ष बाद इंडिगो शुरू करेगी थाईलैंड के लिए उड़ान

नयी दिल्ली ,। घरेलू एयरलाइन कंपनी इंडिगो दो वर्ष के अंतराल के बाद थाइलैंड के लिए विमान सेवा शुरू करने जा रही है। जिसकी घोषणा कंपनी ने मंगलवार को की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन 26 मार्च तक एयर बबल समझौते के तहत उड़ानों का संचालन करेगी और उसके बाद अपने अनुसूचित वाणिज्यिक अंतरराष्ट्रीय परिचालन के हिस्से के रूप में कार्य करेगी। इंडिगो की यह उड़ान बैंकॉक को दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु के साथ जोड़ेगी। साथ ही फुकेट के लिए दिल्ली और मुंबई से उड़ान भरी जाएगी। कंपनी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विलियम बोउलटर ने कहा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के तहत बैंकॉक और फुकेट के लिए उड़ानों के साथ हम भारत और थाईलैंड के बीच दोबारा संचालन को लेकर प्रसन्न हैं। भारतीयों के लिए थाईलैंड सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक है और सेवाओं के दोबारा शुरू होने से गर्मियों में अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए गर्मियों की यात्रा की योजना बनाने वालों के लिए खुशी और किफायती उड़ान विकल्प लाएगी। इन उड़ानों के शुरू होने से ना केवल किराए में गिरावट आएगी, बल्कि व्यापार पर्यटन और गतिशीलता को बढ़ावा मिलेगा, इससे दोनों देशों में आर्थिक सुधार में भी बढ़ोत्तरी होगी। पर्यटकों के लिए थाईलैंड दो वर्ष बाद अपनी सीमाओं को खोल रहा है, जिस पर मार्च 2020 से प्रतिबंध लगाया गया था। भारत से कोरोना रोधी टीके की दोनों खुराक ले चुके पर्यटक बिना चरंटीन के थाईलैंड में प्रवेश कर सकते हैं। नए नियमों के मुताबिक, पर्यटकों को आगमन पर नेगेटिव पीसीआर रिपोर्ट दिखानी होगी और पहुंचने पर दो और पीसीआर जांच करानी होगी, जिसमें एक प्रवेश करने पर और अन्य थाईलैंड में पांचवें दिन कराना होगा।

मुंबई इंडियंस से जुड़े कीरोन पोलार्ड

नई दिल्ली ,। आईपीएल 2022 को शुरू होने में अब सिर्फ 10 दिन बचे हुए हैं। ऐसे में सभी टीमों के खिलाड़ी अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ रहे हैं। इस सीजन आईपीएल 2022 में सिर्फ तीन दिन का चरंटीन है। ऐसे में खिलाडियों के लिए टीम से जुडना काफी आसान बन गया है। मुंबई इंडियंस की टीम के अहम सदस्य रहे कीरोन पोलार्ड भी फ्रेंचाइजी से जुड़ गए हैं। कीरोन पोलार्ड ने आईपीएल में 178 मैच खेलते हुए 3268 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 65 विकेट चटकाए हैं। इससे पहले लगातार 9वीं साल मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने के लिए रोहित शर्मा तैयार हैं। वहीं टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी फ्रेंचाइजी से जुड़ गए हैं। मुंबई इंडियंस ने ट्वीट करके बुमराह और रोहित के फ्रेंचाइजी से जुडने की पुष्टि की है। मुंबई ने ट्वीट करके लिखा, देखो वो आ गए। वहीं एक और तस्वीर फ्रेंचाइजी ने शेयर की है, जिसमें जसप्रीत बुमराह नजर आ रहे हैं। फ्रेंचाइजी ने शेयर करते हुए लिखा, टिक टिक बूम।

पांच बार की आईपीएल विजेता मुंबई इंडियंस ने हाल ही में अपनी नई जर्सी को भी लॉन्च कर दिया है। इस बार मुंबई की जर्सी का लुक थोड़ा अलग है, क्योंकि ब्लू और गोल्डन जर्सी में आगे और पीछे अलग तरह का पैटर्न देखने को मिलता है, जो शायद प्रकृति की ओर इशारा करता है।

इंग्लैंड को लगातार तीन हार के बाद नसीब हुई जीत, भारत को 4 विकेट से हराया

नई दिल्ली ,। इंग्लैंड ने भारत को आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के 15वें मुकाबले में 4 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी जीत का खाता खोला है। जबकि भारतीय टीम को टूर्नामेंट में दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने भारत को 62 रन से हराया था। इंग्लैंड ने मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड की चार्लोट डीन के सामने घुटने टेक दिए। डीन के 4 विकेट की मदद से इंग्लैंड ने भारत को सिर्फ134 रन पर ही ढेर कर दिया। इसके जवाब में इंग्लैंड ने 31.1 ओवर में 6 विकेट पर 136 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत की ओर से स्मृति मंधाना ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। मंधाना के अलावा ऋचा घोष ने 33 और झूलन गोस्वामी ने 20 रन बनाए। हरमनप्रीत 14 रन बनाकर पवेलियन लौटी। इंग्लैंड की ओर से चार्लोट डीन ने 4, श्रुबसोल ने दो और एक्लेस्टोन, क्रास को 1-1 विकेट मिला। 135 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। मेघना और गोस्वामी ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। हालांकि नताली साइवर ने तेजी से रन बनाते हुए इंग्लैंड की पारी को संभाला और आउट होने से पहले 46 गेंदों में 45 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। कप्तानी हीथर नाइट ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। भारत की ओर से मेघना को तीन विकेट, झूलन, गायकवाड और पूजा को 1-1 विकेट मिला। इससे इंग्लैंड की टीम का वर्ल्ड के अपने पहले मैच में मजबूत ऑस्ट्रेलिया से सामना हुआ था, जहां उसको ऑस्ट्रेलिया ने 12 रन से हराया था। दूसरे मैच में वेस्टइंडीज ने 7 रन से हराया। तीसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका ने 3 विकेट से मात दी। हालांकि इन तीनों मैचों में इंग्लैंड जीत के काफी नजदीक पहुंचकर हारी थी। मिताली राज के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप में अपने अभियान की शुरुआत 6 मार्च को चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफकिया था। टीम ने पाकिस्तान को 107 रन से करारी शिकस्त देकर दमदार आगाज किया था। हालांकि दूसरे मैच में ही भारतीय टीम की बल्लेबाजी की पोल खुल गई और टीम को न्यूजीलैंड ने 62 रन से शिकस्त दी। अपने आखिरी मैच में भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 155 रनों से हराकर बड़ी जीत हासिल की। लेकिन इंग्लैंड ने भारत को हराकर एक बार फिर वर्ल्ड कप में टीम के अभियान को तगड़ा झटका दिया है।

रूसी घेराबंदी और बमबारी के बीच तीन देशों के प्रधानमंत्री पहुंचे कीव, यूक्रेन को दिया समर्थन

कीव ,। यूक्रेन पर रूस के हमले के 20वें दिन यूरोपीय संघ के देशों ने यूक्रेन के प्रति खुला समर्थन जाहिर किया है। पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी युद्धग्रस्त देश में दूसरे देश के प्रधानमंत्री दौरा करें। यूरोपीय संघ के तीन सदस्य देशों के प्रधानमंत्रियों ने यूक्रेन का दौरा किया और रूसी हमले के बीच यूक्रेन के साथ खड़े होने का मैसेज दिया। गौरतलब है कि रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन के ऊपर हमला किया था और पिछले 20 दिन से भारी गोलीबारी जारी है। कीव और आसपास के इलाकों में रूस की ओर से जारी बमबारी के बीच सुरक्षा को किनारे रखकर तीनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने करीब 3 घंटे कीव में गुजारे। पोलैंड के प्रधान मंत्री माटुस्ज मोराविकी ने शाम को फेसबुक पर कहा कि वे और चेक के साथ स्लोवेनियाई नेता कीव में थे। मोराविकी ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले के चलते दुनिया ने अपनी सुरक्षा की भावना खो दी है और निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं, वे अपनी सारी संपत्ति खो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें इस त्रासदी को रोकना चाहिए, यही कारण है कि हम कीव में थे। तीनों देशों के प्रधानमंत्रियों की ये यात्रा यूक्रेन के लिए समर्थन का एक मजबूत प्रतीक था, जबकि पोलैंड से कीव तक की लंबी यात्रा ने यह भी संकेत दिया कि अधिकांश यूक्रेन अभी भी जेलेंस्की के हाथों में है। पोलैंड के नेताओं ने चेक गणराज्य के प्रधान मंत्री पेट्र फिग्माला और स्लोवेनिया के पीएम जेनेज जानसा के साथ मिलकर कहा कि वे यूरोपीय संघ के मिशन पर थे। स्लोवेनिया के पीएम जेनेज जानसा ने कहा कि यूक्रेन एक यूरोपीय देश है जो यूरोपीय संघ में स्वीकार किए जाने का हकदार है। बता दें कि तीन प्रधानमंत्रियों ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की ओर से यूरोपीय संसद में भावनात्मक अपील करने के दो सप्ताह बाद की है। जानसा ने ट्वीट किया, न केवल एक क्षेत्र के रूप में अपनी मातृभूमि और यूरोप की रक्षा करने के लिए, बल्कि यूरोपीय मूल्यों और हमारे जीवन के तरीके की रक्षा के लिए धन्यवाद। आपकी लड़ाई हमारी लड़ाई है और हम साथ मिलकर जीतेंगे। वहीं, मोराविकी ने फेसबुक पर लिखा कि इस यात्रा पर यूरोपीय संघ ने सहमति जताई थी और संयुक्त राष्ट्र को भी सूचित किया गया था। उन्होंने कहा कि नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग से इस यात्रा के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने इसका पूरी तरह से समर्थन नहीं किया। स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि नाटो देशों के नेता, यूरोपीय सदस्य राज्यों के नेता, राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ निकटता से जुड़ रहे हैं।

कार में हुआ विस्फोट, 12 की मौत

सना , । यमन के दक्षिणी प्रांत अब्यान में एक सुरक्षा काफ्लि पर हुए कार बम विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक अन्य घायल हो गए। प्रांतीय राजधानी जिनजीबार में विस्फोटकों से लदे वाहन ने नए भर्ती हुए सुरक्षा बलों के प्रमुख ब्रिगेडियर अब्दुल-लफीफसईद के काफ्लि को निशाना बनाया।

उन्होंने पुष्टि की कि विस्फोट में सुरक्षा अधिकारी के 12 जवान मारे गए और लगभग 15 अन्य घायल हो गए। सभी अबयान में स्थित सुरक्षा बलों के सदस्य हैं।

अमेरिकी सीनेट ने रूस की यूक्रेन पर कार्रवाई की निंदा की

वाशिंगटन , । अमेरिकी सीनेट ने यूक्रेन पर सैन्य अभियान को लेकर रूस और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। सीनेट ने ध्वनिमत से इस प्रस्ताव पारित किया। उल्लेखनीय है कि रूस ने डोनेट्स्क और लुहान्स्क स्वतंत्र गणराज्य घोषित करने के बाद 24 फरवरी को यूक्रेन के खिलाफसैन्य अभियान शुरु कर दिया था।

उत्तर कोरिया का मिसाइल प्रक्षेपण विफल : दक्षिण कोरिया

सियोल , । उत्तर कोरिया द्वारा प्योंगयांग सुनन हवाई अड्डे के क्षेत्र से एक अज्ञात स्थल से दागा गया मिसाइल प्रक्षेपण विफ्ल रहा है। जापानी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उत्तर कोरिया ने संभवतरू एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी। उत्तर कोरिया द्वारा इस वर्ष का यह दसवां मिसाइल प्रक्षेपण है।

पुणे हवाई अड्डे को अधिक क्षमता के साथ नया टर्मिनल भवन मिलेगा

नई दिल्ली ,। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के पुणे हवाई अड्डे पर अधिक क्षमता और विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ नया एकीकृत टर्मिनल भवन बनाया जा रहा है। इससे व्यस्त समय में भीड़-भाड़ में कमी आएगी। एएआई 475 करोड़ रुपये की लागत से टर्मिनल बिल्डिंग बना रहा है। बिल्डिंग का 55 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है और निर्माण कार्य अगस्त, 2023 तक पूरा हो जाएगा। वर्तमान टर्मिनल बिल्डिंग का कुल क्षेत्र 22,300 वर्ग मीटर है और यह टर्मिनल बिल्डिंग प्रति वर्ष 7 मिलियन एमपीपीए का प्रबंधन करता है। एएआई 5,00,000 वर्ग फीट से अधिक क्षेत्र में आत्याधुनिक नया टर्मिनल बना रहा है। नया टर्मिनल वर्तमान टर्मिनल से जुड़ा होगा और इसका कुल क्षेत्र 7,50,000 वर्ग फीट होगा और 16 एमपीपीए यात्रियों का प्रबंधन करेगा। शानदार नया एकीकृत टर्मिनल भवन (पुराना भवन सहित) केन्द्रीय रूप से वातानूकुलित होगा और इसमें 10 पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज, 72 चेक-इन काउंटर तथा इन लाइन बैगेज हेंडलिंग प्रणाली होगी। नया भवन 4 स्टार गृह रेटिंग के साथ ऊर्जा सक्षम भवन होगा। यात्रियों के जल-पानध्मनोरंजन के लिए खाद्य और पेय पदार्थों तथा रिटेल आउटलेट के लिए 36,000 वर्ग फीट स्थान सुरक्षित रखा गया है। वर्तमान भवन के सिटी साइड में विशाल मंडप होगा और बिल्डिंग सिटी साइड से शानदार दिखेगी। नए टर्मिनल बिल्डिंग के लिए परियोजना का मजबूत लक्ष्य पुराने तथा नए के बीच एकता और निरंतरता के लिए खोज है। 360 मीटर की लंबाई में फैला बरामदा अग्र भाग से जुड़ा होगा और यह यात्रियों को गर्मी और बरसात से न केवल सुरक्षित रखेगा, बल्कि इसमें पुणे तथा महाराष्ट्र की समृद्ध, सामाजिक-ऐतिहासिक तथा कलात्मक संस्कृति दिखाई जाएगी। विशाल बरामदे के नीचे सार्वजनिक क्षेत्र में सुंदर मराठा मेहराब तथा स्थानीय काले पत्थर की फिनिश के साथ सजाए गए स्तंभ होंगे, जो महाराष्ट्र के आस-पास की अधिकतर विरासत संरचनाओं में देखा जाता है। आगे के प्रांगण में उद्यान पुणे के सर्वाधिक चिन्हित लैंडमार्क- शनिवार वाडा गार्डन से प्रेरित है। पार्किंग के समस्या के स्थायी समाधान के लिए मल्टीलेवल कार पार्क (ग्राउंड़तीन मंजिल तथा दो बेसमेंट फ्लोर) 120 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है और इसके जुलाई, 2022 तक चालू हो जाने की संभावना है।

राष्ट्रपति को पांच राष्ट्रों के राजनयिकों ने परिचय पत्र प्रस्तुत किए

नई दिल्ली ,। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने आज राष्ट्रपति भवन में अल्जीरिया जन लोकतांत्रिक गणराज्य, मलावी गणराज्य, कनाडा, इंडोनेशिया गणराज्य और रूसी संघ के राजदूतोंध्उच्चायुक्तों से परिचय पत्र स्वीकार किए। जिन राजनयिकों ने अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किए, वे हैंरू महामहिम अब्दर्रहमान बेन्गुएर्रह, अल्जीरिया जन लोकतांत्रिक

गणराज्य के राजदूत

महामहिम लियोनार्ड सेन्जा मेंगेजी, मलावी गणराज्य के उच्चायुक्त

महामहिम कैमरून डीन मैके, कनाडा के उच्चायुक्त

महामहिम सुइना हग्निनिग्त्यास कृष्णमूर्ति, इंडोनेशिया गणराज्य की राजदूत

महामहिम डेनिस एवगेनिविच अलीपोव, रूसी संघ के राजदूत

परिचय पत्र स्वीकार करने के बाद, राष्ट्रपति ने पांचों राजनयिकों के साथ अलग-अलग बातचीत की। उन्होंने राजनयिकों को उनकी नियुक्तियों पर बधाई दी और उनके देशों के साथ भारत के गर्मजोशी-भरे मैत्रीपूर्ण संबंधों और उनमें से प्रत्येक के साथ भारत के बहुआयामी संबंधों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रपति ने उन्हें द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और उनके कल्याण तथा मैत्रीपूर्ण लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए भी शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने इन राजदूतों और उच्चायुक्तों के माध्यम से उनके राष्ट्राध्यक्षों को अपने व्यक्तिगत सम्मान से भी अवगत कराया।

अब सऊदी अरब के स्कूलों में भी बच्चों को सिखाया जाएगा योग, शुरू होगा नया कोर्स

रियाद ,। दुनियाभर में योग को स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहद पसंद किया जा रहा है। अब सऊदी अरब भी अपने स्कूलों में स्पोर्ट्स कैरिकुलम के रूप में योग को जगह देने जा रहा है। सऊदी योग कमिटी के अध्यक्ष नोउफ अल-मारवाई ने कहा कि 2017 में ही कॉमर्स मिनिस्ट्री ने इस कोर्स को मान्यता दे दी थी। शिक्षा मंत्रालय के सहयोग के साथ यह सिलेबस शुरू किया जाएगा। नोउफने कहा कि इस कोर्स से बच्चों को स्वास्थ्य लाभ होगा। बीते दिनों योग के फायदे को लेकर सऊदी स्कूल स्पोर्ट्स फेडरेशन की बैठक भी थी। इस बैठक में स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने हिस्सा लिया। अरब न्यूज के मुताबिक सभी श्रेणी के स्कूलों के अधिकारियों ने अपनी राय रखी। योगा इंस्ट्रक्टर और आनंद योगा स्टूडियो के फाउंडर खालिद जमा अल जहरानी ने कहा कि स्कूल हमें हमेशा ध्यान रखा जाता है कि बच्चों का हर तरह से विकास हो। अब योग को पूरी दुनिया में महत्व दिया जा रहा है। 21 जून को दुनियाभर में योग दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर देश-विदेश में बड़े- बड़े कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

राजेश्वर सिंह जैसे अनुभवी को कैबिनेट में मिलनी चाहिए जगह-राजेश सिंह चौहान

समग्र चेतना/शिवम सिंह

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा सीट पर बेहद कड़ा और दिलचस्प मुकाबला था। बावजूद इसके राजेश्वर सिंह ने न सिर्फ बीजेपी के अंदर की आपसी फूट को संभाला बल्कि बीजेपी के हांथ से निकल रही सीट को भी बचाकर शीर्ष नेतृत्व के फैसले को सही साबित कर दिया है। मंगलवार को सरोजनीनगर विधानसभा से भाजपा कार्यकर्ता और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बेहद करीबी माने जाने वाले राजेश सिंह चौहान ने ये बातें कहीं। श्री सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर में राज्य मंत्री का टिकट कटना बता रहा था कि इस सीट पर चुनाव जीतना आसान नहीं है। वहीं अभिषेक मिश्रा जैसे दमदार और अनुभवी नेता से मुकाबला और कठिन हो गया था। बावजूद इसके राज राजेश्वर सिंह ने अपनी सूझ बूझ से न सिर्फ विधानसभा के अंदर बीजेपी में उपजे आक्रोश और आपसी मनमुटाव को खत्म किया बल्कि दूसरे दलों में भी फूट डालकर लोगों को बीजेपी में जोड़नें का काम किया। राजेश्वर सिंह की कूटनीति और कार्ययोजना से ही जीत का रास्ता निकल सका। सरोजनीनगर सीट जीतकर राजेश्वर सिंह अपने इम्तीहान में सफल हो गए हैं अब ऐसे दमदार और योग्य व्यक्ति को कैबिनेट में जगह देनी चाहिए। क्षेत्र की जनता ही नहीं बल्कि प्रदेश की जनता भी यही पुकार कर रही है। राजेश्वर सिंह ने अधिकारी रहते हुए भी दमखम दिखाया था अब अगर उन्हें मौका मिलता है तो निश्चित तौर पर क्षेत्र की जनता का सौभाग्य होगा।

कौन हैं राजेश सिंह

भारतीय जनता पार्टी में सरोजनीनगर क्षेत्र में शायद ही कोई बचा हो जो इस नाम से वाकिफन हो। राजेश सिंह लगातार क्षेत्र के विकास के लिए काम करते रहे हैं। 90 के दशक में वह जिला पंचायत सदस्य भी रह चुके हैं। इसके बाद से वह लगातार बीजेपी में कार्य कर रहे हैं। राजेश सिंह सरोजनीनगर से बीजेपी के सबसे कद्दावर नेताओं में से हैं। क्षेत्र में उनकी सक्रियता किसी से छिपी नहीं है।

राजनाथ सिंह ने भी की थी तारीफ

पिछले साल सरोजनीनगर में एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंच से राजेश सिंह चौहान की जमकर तारीफकी थी। उन्होंने कहा था कि राजेश सिंह लगातार क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते रहते हैंपार्टी में बिना किसी बड़े पद के एक छोटे कार्यकर्ता होने के बाद भी पार्टी के लिए इतना समर्पण बहुत कम लोगों में देखने को मिलता हैं।

सरोजनीनगर में बीजेपी के हर कार्यक्रम में सक्रिय

विधानसभा सरोजनीनगर ही नहीं आस पास की किसी भी विधानसभा में अगर बीजेपी की जनसभा रैली हुई है तो वहां राजेश सिंह ने समर्थकों का ही सबसे ज्यादा जमावड़ा रहा है। इसरो यूनिट के स्थापना दिवस का कार्यक्रम हो या फिर हालही में आईआईएम पर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यक्रम। राजेश सिंह के समर्थकों की भीड़ ने सभी को चौका दिया था। खासकर सरोजनीनगर में राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी के कार्यक्रम में श्री चौहान के साथ उमड़ी भीड़ ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया था।

गोल्ड लोन से ग्राहकों में खुशी-केनरा बैंक बाजीराव कटरा

समग्र चेतना/वीरेंद्र गुप्ता

मिर्जापुर केनरा बैंक निरंतर अपने ग्राहकों के लिए बेहतर सुविधा के लिए जाना जाता है कई प्रकार की सुविधाएं बैंक निरंतर जनपद मिर्जापुर वासियों को दे रही है ।राष्ट्रीयकृत बैंक केनरा बैंक बाजीराव कटरा मुख्य शाखा में मंगलवार के दिन गोल्ड लोन की सुविधा शुरू करा दी गई आज वाराणसी क्षेत्रीय प्रबंधक शिशिर कुमार सिन्हा ने गोल्ड लोन प्लाजा कॉर्नर का उद्घाटन करते हुए कहा कि अब ग्राहकों के अलावा अन्य लोगों के लिए भी बैंक के तरफसे आभूषण व सोने पर ऋण तत्काल उपलब्ध कराए जाने की सुविधा इस ब्रांच में शुरू कर दी गई है । क्षेत्रीय प्रबंधक वाराणसी शिशिर कुमार सिन्हा ने बताया कि बैंक पिछले 30 35 वर्षों से गोल्ड लोन की सुविधा दे रहा है लेकिन जनपद मिर्जापुर में इसकी शुरुआत आज हो रही है। काफी दिनों से मिर्जापुर जिले की मांग को आज पूरा कर दिया गया है। कोई भी व्यक्ति केवाईसी पूरा करके तीस मिनट के अंदर लोन प्राप्त कर सकता है। इस सुविधा के माध्यम से कई ऐसे लोग लाभान्वित होंगे जिनके घरों में अलमारियों में स्वर्ण आभूषण रखा रहता है और उनको व्यवसाय के लिए या अन्य किसी आवश्यक कार्य के लिए सोने के गहने के बदले तत्काल नकद रुपए की जरूरत पूरी करेगी। बहुत ही न्यूनतम ब्याज दर में किसानों के लिए व्यापारियों के लिए या कोई भी महिला पुरुष गोल्ड लोन का लाभ ले सकता है । ब्रांच मैनेजर ने बताया कि गोल्ड लोन जितनी आसानी से उपलब्ध कराई जाती है उतनी ही आसानी से बंद भी कराया जा सकता है । इसमें किसी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क बैंक चार्ज नहीं करती ।इस अवसर पर जनपद मिर्जापुर के कई संभ्रांत उद्यमियों ने भी अपनी रुचि दिखाई । मौके पर मौजूद बैंक के कई सम्मानित ग्राहकों के अलावा जनपद के कई संभ्रांत लोगों ने बताया कि गोल्ड लोन की सुविधा शुरू हो जाने से हम लोग भी इससे लाभान्वित होंगे।

बीजेपी नेता को गोली मारने की मिली धमकी

समग्र चेतना/वीरेंद्र गुप्ता

मिर्जापुर। चिल्ह थाना क्षेत्र के निवासी दिनेश अग्रहरी भारतीय जनता पार्टी के कर्मठसील नेताओं में जाने जाते हैं। अपनी पूरी पीढ़ी भारतीय जनता पार्टी के लिए खपा देने वाले दिनेश अग्रहरी विगत 10 मार्च से सशंकित और सहमे हुए हैं । बीजेपी नेता दिनेश अग्रहरी की मानें तो उनको जिस दिन से मिर्जापुर नगर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के जीत की घोषणा हुई उसी दिन से समाजवादी पार्टी के स्थानीय स्तर के नेताओं के द्वारा अनुचित दबाव और डराए धमकाये जाने का आरोप लगाया गया है। दिनेश अग्रहरि भारतीय जनता पार्टी के संघर्षशील युवा कर्मठ नेता के अलावा महंगीपुर ग्राम प्रधान भी हैं। उनके ऊपर अनुचित दबाव और जान मार देने की धमकी से उनके समर्थकों के अलावा परिजनों में भी आक्रोश के साथ भय व्याप्त है। उन्होंने अपने ऊपर घटित घटना को लिखित रूप से स्थानीय स्तर पर थानाध्यक्ष को दे दिया है। उन्होंने मांग किया है कि अतिशीघ्र यदि आरोपितों के ऊपर कड़ी कार्रवाई नहीं की जाएगी तो उनके जान को खतरा हो सकता है। फिलहाल मामला सत्ता पक्ष के नेता से जुड़े होने के नाते इस प्रकार का आरोप चर्चा का विषय बना हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के नेता दिनेश अग्रहरि ने बताया कि उनकी पार्टी जब से जीती है तब से चुनावी रंजिश के प्रकोप में उनका जीना दुश्वार हो चला है ।पार्टी के अलावा बड़े नेताओं के साथ साथ विधायक को भी सूचना दिए जाने की बात कही जा रही है। बताते चलें कि दिनेश अग्रहरी नंद गोपाल गुप्ता के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी सपरिवार और अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी को जिताने के लिए एड़ी चोटी करने वाले नेता को डराए धमकाए जाने की सूचना जंगल में आग की तरह फैल चुकी है। उपरोक्त घटना पर चिल्ह थाना प्रभारी ने बताया कि घटना उनके संज्ञान में आ चुका है आरोपी दारू के नशे में कल दिन भर रहा और आज उन्होंने स्थानीय चौकी प्रभारी को आरोपी के खिलाफकार्रवाई करने का आदेश दे दिया है।

मोहम्मदी की होली में झांकियां रही आकर्षण भव्य रंगोत्सव

समग्र चेतना/गोपाल तिवारी

मोहम्मदी खीरी। इलाके में सन 1977 से 2 दिन होली खेलने की परंपरा आज भी कायम है नगर के संभ्रांत और वरिष्ठ लोगों के द्वारा यह परंपरा लगातार चलती चली जा रही है जिसमें मुख्य रोल नगर चेयर पर्सन संदीप मेहरोत्रा कन्हैया का होता है मोहम्मदी कस्बे में 2 दिन तक रंग खेल कर भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है पहले दिन युवा समाज सेवा समिति मोहम्मदी भीतर से और दूसरे दिन शनिवार को फ्रेंड्स क्लब बाजार गंज मोहल्ले से शोभायात्रा निकाली जाती है दोनों दिन दोनों ग्रुपों ने भव्य शोभायात्रा निकाली जिसमें झांकियां सजाई गई झांकियों का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह पूर्व चेयर पर्सन दुर्गा मेहरोत्रा ने किया। नगर का प्रमुख त्यौहार रंग महोत्सव जिसकी चर्चा शुरू होते ही शरीर में रोमांच सा महसूस होता है

बच्चों का मन प्रफुल्लित हो जाता है भीतर मोहम्मदी में श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर निकट स्टेट बैंक से शोभायात्रा निकाली जाती थी इसमें होली गाने वाली लोक कलाकारों के टोली होती थी ड्रम में रंग भरा होता था जिसमें पूरे नगर का भ्रमण करते हुए रंग खेला जाता था फिर धीरे-धीरे शोभायात्रा का विस्तार हुआ और उसमें ब्रास बैंड रंग के लिए बैलगाड़ी झांकियां बनने लगे सन 1990 में युवा समाज सेवा समिति मोहम्मदी के माध्यम से शोभायात्रा को धीरे-धीरे और भारी रूप दिया गया और इसमें ब्रास बैंड लिल्ली घोड़ी रंग से भरी ट्राली है प्रेशर मशीन डीजे गुलाल मशीन और सुंदर-सुंदर झांकियां भी साथ में चलने लगी वर्तमान में शोभा यात्रा की चर्चाएं दूर दूर तक है। मोहम्मदी मैं पुरानी गल्ला मंडी से भव्य झांकी निकाली गई झांकी बाजार गंज होते हुए पीडी भारतीय इंटर कॉलेज से रामलीला गेट? शाहजहांपुर रोड मोहम्मदी में भ्रमण हुई झांकी में बुलडोजर नजर आए बुलडोजर पर मोहम्मदी के युवाओं ने योगी का रूप रखा मोहम्मदी के नौजवानों ने सड़कों पर खूब डीजे के साथ होली गाई और रंग उत्सव मनाया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सम्पादक सुयश मिश्रा द्वारा लक्ष्मी आफसेट 539क/100क/240, देवपुरी भवन, फैजाबाद रोड, संजय गांधी पुरम इंदिरा नगर लखनऊ-226016 से मुद्रित कराकर ग्राम और पोस्ट कुम्हरावां ब्लाक- बी.के.टी. थाना इटौंजा लखनऊ- 227005 से प्रकाशित किया। संपादक सुयश मिश्रा मो.8924856004 । समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।